RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 42 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 25 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

यस बैंक घोटाले में राणा कपूर को जमानत, 466 करोड़ के मनी लॉड्रिंग केस में किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आज यस बैंक के पूर्व एमडी व सीईओ राणा कपूर को जमानत दे दी। कपूर को 466.51 करोड़ रुपये के मनी लॉड्रिंग मामले में ईडी ने 2020 में गिरफ्तार किया था। ईडी यस बैंक से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले की जांच कर रहा है। पूर्व एमडी व सीईओ राणा कपूर पर पद के दुरुपयोग करने और अपने परिवार को लाभ पहुंचाने का आरोप है। इस मामले में सीबीआई ने मार्च 2020 में धोखाधड़ी व आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने भी उनके खिलाफ मनी लॉड्रिंग का केस दर्ज किया है।

सीबीआई ने कपूर व अवंता समूह के प्रवर्तक गौतम थापर के खिलाफ सितंबर में धोखाधड़ी के मामले में आरोप पत्र दायर किया था। हालांकि, पिछले साल 2 जून को दायर एफआईआर में कपूर का नाम संदिग्ध के तौर पर शामिल नहीं था। इसके बाद घोटाले की जांच में उनका नाम उभरा था। कपूर पर आरोप है कि भारी मात्रा में कर्ज मंजूर करने के एवज में ली गई रिश्वत की राशि उनके परिवार के नियंत्रण वाली कंपनियों में लगाई गई।

माकड्रिलः मरोदा रेलवे स्टेशन में पटरी से उतरी यात्री ट्रेन की बोगी

यात्रियों को निकाल रहा बचाव दल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मरोदा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को यात्री ट्रेन की बोगी पट्री से उतर गई। सूचना मिलने के बाद बोगी के अलग किया गया और रेलवे सुरक्षा बल, एनडीआरएफ सहित रेलवे के आला अफ्सर रेस्क्यू कार्य में लग गए। बोगी की हालत ऐसी हो गई थी घायल यात्रियों को बोगी से कड़ी मशक्कत कर निकाला गया। इस दौरान बोगी को काटकर घायल यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। दरअसल यह कोई रियल हादसा नहीं था बल्कि रेलवे का मॉकड्रिल था जो कि मरोदा रेलवे स्टेशन पर किया गया।

रेलवे द्वारा समय समय आपदा प्रबंधन की जानकारी देने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाता है। जिसमें रेलवे सुरक्षा बल व एनडीआरएफकी टीमों को आपातकालीन स्थिति में किस तरह से लोगों की जान बचानी चाहिए इसकी जानकारी दी जाती है। इसी कड़ी में शुक्रवार को मरोदा रेलवे स्टेशन पर सुबह 10:45 बजे माक ड्रिल शुरू हुआ। नजारा था बोगी के पटरी से उतरने के बाद क्या किया जाए। पूरी घटना का सीन क्रिएट कर वास्तविक हादसे का रूप देकर मॉकड्रिल को अंजाम दिया गया।

जैसे ही यात्री ट्रेन की बोगी पटरी से उतरी इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। इसके बाद शुरू हुआ बचाव व राहत कार्य। मौके पर पहुंची चरोदा यार्ड की आपदा प्रबंधन टीम ने राहत कार्य शुरू किया। मौके पर एनडीआरएफ कटक थर्ड बटालियन की टीम को भी सूचित किया गया जो घटना के समय दुर्ग में मौजूद थी। सूचना मिलने के बाद मंडल रेल प्रबंधक रायपुर संजीव कुमार भी मौके पर पहुंचे और हालातों का जायजा लिया।

इसके बाद राहत टीम ने बेपटरी हुई बोगी को पहले ट्रेन से अलग किया और उसके बाद यात्रियों को निकालना शुरू किया। कुछ यात्री बोगी में फंसे हुए थे जिन्हें बाहर निकालने के लिए बोगी को काटना भी पड़ा। मौके पर रेलवे का चिकित्सा विभाग भी मौजूद था जो कि घायल यात्रियों को फर्स्ट एड दे रहा था और गंभीर घायलों को हॉस्पिटल भेजा जा रहा है। इस तरह रेलवे का मॉक ड्रिल पूरा हुआ।

रिसाली निगम के पार्षद के खिलाफ कर्मचारियों ने दर्ज कराई एफआईआर

दफ्तर में घुसकर कर्मियों से दुर्व्यवहार, अब बर्खास्तगी की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रिसाली नगर निगम के एक पार्षद के खिलाफ निगम कर्मियों ने मोर्चा खोल दिया है। कर्मियों ने नेवई थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पार्षद के दुर्व्यवहार से खफा निगम के अधिकारी और कर्मचारियों ने शुक्रवार को दुर्ग संभाग आयुक्त महादेव कावरे से मिलकर आरोपी पार्षद को बर्खास्त करने की मांग की है। यूनियन लीडर गोपाल सिन्हा ने बताया कि गुरुवार शाम को रिसाली के एमआईसी मेंबर विलासराव बोरकर निगम कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने पेयजल की पाइपलाइन सप्लाई का मुद्दा उठाते हुए कर्मचारियों से दुर्व्यवहार किया।

इसलिए थाने पहुंचे निगम कर्मी

वार्ड 29 लक्ष्मीनगर से कांग्रेस पार्षद व एमआईसी मेंबर विलासराव बोरकर ने गुरुवार को रिसाली निगम में घुसकर कर्मचारी और अधिकारियों से गाली गलौज कर हंगामा किया है। महिला कर्मचारी और अधिकारियों ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो उनसे भी दुर्व्यवहार किया और कुर्सी टेबल पटकने लगे। पार्षद के इस दुर्व्यवहार के बाद निगम के सभी अधिकारी कर्मचारी निगम कार्यालय से बाहर आ गए। उन्होंने पार्षद के दुर्व्यवहार की आलोचना की और उसके खिलाफ नेवई थाने में मामला दर्ज कराया।

आप नेता ने किया सुसाइड, घर में फंदे से लटकी मिली लाश आप के ट्रेड विंग के सेक्रेटरी के साथ थे बड़े कारोबारी

दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी दिल्ली की ट्रेड विंग के सेक्रेटरी संदीप भारद्वाज ने सुसाइड कर लिया। गुरुवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स ने राजौरी गार्डन में अपने घर में फांसी के फंदे से लटक कर सुसाइड कर लिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। सुसाइड की वजह फिलहाल साफ नहीं है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली एमसीडी चुनाव में टिकट न मिलने के कारण काफी दिनों से परेशान थे।

आम आदमी पार्टी ट्रेड विंग दिल्ली प्रदेश के सेक्रेटरी होने के साथ-साथ संदीप का भारतद्वज मार्बल के नाम से व्यापार भी है। उन्होंने आत्महत्या कर सभी को हैरानी में डाल दिया है। आम आदमी पार्टी की तरफ से इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। किसी भी बड़े नेता ने आगे आकर शोक व्यक्त भी नहीं किया है।

संदीप भारद्वाज को उनके दोस्त कुकरेजा अस्पताल लेकर पहुंचे थे, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने अपना दम तोड़ दिया था। उन्होंने किस वजह से ये कदम उठाया पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। पुलिस इस मामले में परिजनों और उनके निजी दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है।

अमिताभ बच्चन के आवाज का इस्तेमाल करना पड़ेगा भारी, दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया बड़ा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की आवाज व पर्सनालिटी का इस्तेमाल करना अब भारी पड़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका पर हुए फैसले के बाद अब अमिताभ बच्चन की अनुमति के बिना उनकी पर्सनालिटी, पिक्चर व आवाज का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। अमिताभ बच्चन की ओर से सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे ने अमिताभ बच्चन की ओर से याचिका दायर की।

अपनी याचिका में उन्होंने कहा कि अमिताभ बच्चन की पर्सनैलिटी राइट्स खराब किए जा रहे हैं। इसलिए वे चाहते हैं कि उनके नाम, आवाज और पर्सनैलिटी का इस्तेमाल उनकी परमिशन के बिना नहीं होना चाहिए। याचिका के जवाब में कोर्ट ने भी उन्हें राहत दी है। जस्टिस चावला ने अथॉरिटी और टेलीकॉम डिपार्टमेंट के लिए निर्देश जारी किए हैं कि अमिताभ बच्चन का नाम, फोटो और पर्सनैलिटी स्ट्रेट्स सहित जो भी पब्लिकली उपलब्ध उसे हटा दिया जाए।

दरअसल, अमिताभ बच्चन का नाम, आवाज और पर्सनैलिटी का कुछ कंपनिया गलत तरह से इस्तेमाल कर रही हैं। अमिताब ने याचिका में कहा है कि जो लोग यह चीज कर रहे हैं, यह गलत है. कमर्शियल इंडस्ट्री में उनपर कन्ट्रोल किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अमिताभ बच्चन के नाम एक लॉट्री एड भी चल रहा है, जहां प्रमोशनल बैनर पर उनकी फोटो लगी हुई है। इसके अलावा इसपर केबीसी का लोगो भी है, यह बैनर किसी ने लोगों को भम्रित करने के लिए बनाया है जबकि इसमें जरा भी सच्चाई नहीं है। अमिताब ने कोर्ट से कहा है कि वह अपने हक में पब्लिसिटी और पर्सनैलिटी राइट्स चाहते हैं। सेलीब्रिटी होने के नाते अमिताभ बच्चन नहीं चाहते कि बिना उनकी परमिशन के कोई भी उनकी आयडेंटिटी का इस्तेमाल करे।

बोरिया गेट के सामने चायना मार्केट में जमकर बवाल, आपस में भिड़े व्यापारी, एक दूसरे को मारने निकाले रॉड और डंडे

श्रीकंचनपथ

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के बोरिया गेट के सामने लगने वाले चायना मार्केट में शुक्रवार को जमकर बवाल हो गया। यहां दुकान लगाने वाले दुकान व्यापारी आपस में ही उलझ गए। जगह को लेकर विवाद देखते-देखते इतना बड़ गया कि व्यापारियों ने एक दूसरे को मारने के लिए लॉठी, डंडे और रॉड निकाल लिए। इससे वहां मौजूद ग्राहक सहम गए। कई ग्राहक बिना खरीदी किए ही मार्केट से बैरंग लौट गए।

व्यापारियों की इस लड़ाई से मार्केट में खरीदारी करने ग्राहकों में भय का वातावरण निर्मित हो गया। बीएसपी कर्मियों व यूनियन नेताओं ने बीएसपी प्रबंधन से चायना मार्केट को बंद करवाने की मांग करते हुए कहा कि मुफ्त की जगह में व्यापार करने व आपस मे लड़ाई झगड़ा करने से इस्पात नगरी का माहौल बिगड़ रहा है। इसलिए ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है।

आश्रम छात्रावास से तमिलनाडू कैसे पहुंची स्कूली छात्राएं

श्रीकंचनपथ

बेटियों को लेकर हम कितने संवेनशील हैं, इसका ताजा उदाहरण नारायणपुर के ओरछा ब्लाक में सामने आया है. यहां दो आश्रमों की चार छात्राएं लापता हो गईं. आश्रम अधीक्षिका ने इसकी पुलिस में रिपोर्ट नहीं की जबकि ऐसे मामलों में टाइम इलिमेंट का बहुत ज्यादा महत्व होता है. नाबालिगों के ऐसे मामलों में पुलिस को अपहरण का मामला दर्ज कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश हैं. पर छात्रावास अधीक्षिका ऐसा कुछ भी नहीं करती. उसने केवल इतना किया कि आश्रम में छूट गए छात्रा के वस्त्र उसके मामा के घर पहुंचा दिये. यह मान लिया गया कि छात्राएं आश्रम से भाग कर घर लौट गई हैं. उन्होंने छात्राओं के घर पर होने की पुष्टि करना तक जरूरी नहीं समझा. छात्रा की माता ने जब आश्रम अधीक्षिका से पूछताछ की तो उन्होंने कहा दिया कि आपकी बेटी भाग गई है. साथ ही यह भी कहा कि वह पुलिस के पास न जाए. छात्रा अपने आप लौट आएगी. पर बच्ची की मां पुलिस के पास जा पहुंची. पुलिस तत्काल हरकत में आई. पूछताछ में सामने आया कि अबुझमाड़ ओरछा में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय की एक और आदर्श कन्या आश्रम शाला की तीन छात्राएं 13 नवम्बर से लापता हैं. गहन पतासाजी में छात्राओं के तमिलनाडु में होने की भनक मिली. पुलिस की दो टीमें रवाना की गईं. छात्राओं को कुन्नूर में बरामद किया गया. दरअसल, अबूझमाड़ के इस इलाके का तमिलनाडु से गहरा संबंध है. मजदूर दलाल यहां के गरीब आदिवासियों को मजदूरी के लिए तमिलनाडू लेकर जाते हैं. इनमें बड़ी संख्या में नाबालिक भी शामिल होते हैं. इन्हें ईंट भट्ठों, कपड़ा मिलों और इतर उद्योगों में लगा दिया जाता है. कुछ समय पहले भी पुलिस ऐसे दर्जन भर बच्चों को वहां से बरामद करके वापस लाई थी. आदिवासी बच्चियों को जिस्मफरोशी के धंधे में धकेले जाने की भी खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं. सवाल यह उठता है कि आश्रम छात्रावास की ये छात्राएं बिना परिजनों की जानकारी में आए इन ठेकेदारों के चंगुल में कैसे फंसीं? सवाल यह भी है कि बच्चियां इतनी हड़बड़ी में क्यों थीं कि उनके कपड़े आश्रम में छूट गए? तो क्या इनका अपहरण किया गया था? इस मामले में आश्रम अधीक्षिका की क्या भूमिका है? क्या ये बच्चियां आश्रमों में लावारिसों की जीवन जी रही हैं? जिनको तनख्वाह ही इनकी देखभाल की दी जाती है, वो आखिर अपनी जिम्मेदारी से इस तरह से मुंह कैसे मोड़ सकते हैं? स्वयं पुलिस के पास नहीं जाना और परिजनों को भी रोकना, आखिर क्या दर्शाता है? क्या गरीब आदिवासी छात्राओं की स्थिति भेड़-बकरियों से भी बदतर है? ऐसे में मामलों में पुलिस भी तभी कोई मदद कर सकती है जब तत्काल इसकी सूचना उन्हें दी जाए. बिना कोई बात छिपाए पूरी जानकारी साझा की जाए. उम्मीद है आगे से अधीक्षिकाएं इस बात का ध्यान रखेंगी.

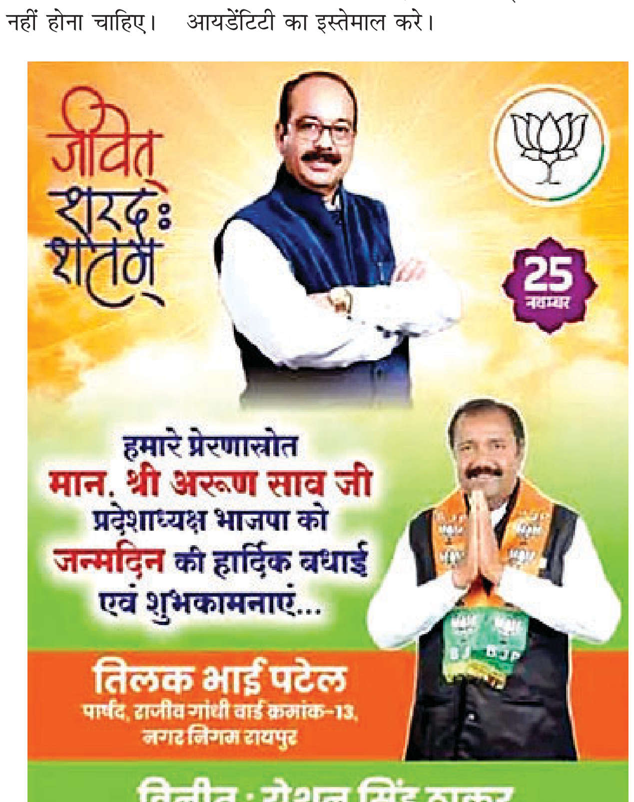

संपादकीय

कब तक शोषण

महिलाओं के शोषण पर लगाम लगाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना आज हर तरह से आवश्यक है। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड की गूंज पूरे देश में जारी है और यह दुखद मामला बता देता है कि महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी व्यवस्था सोलह आना सजग नहीं है। श्रद्धा ने महाराष्ट्र में 2020 में अपने कथित प्रेमी के खिलाफ लिखित शिकायत की थी। पुलिस से की गई शिकायत की कॉपी बुधवार को सामने आई है और इससे पता चलता है कि मुंबई पुलिस अगर चाहती, तो श्रद्धा की जान बच सकती थी। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने उस समय हुई जांच पर सवाल उठाकर बिल्कुल सही किया है। वास्तव में, मुंबई पुलिस ने तब कोई कार्रवाई नहीं की थी, अत मालीवाल का यह कहना सही है, 'जब तक देश का सिस्टम इतना खोखला रहेगा, लड़कियां ऐसे ही मरती रहेंगी।' इसी सप्ताह संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने बताया है कि दुनिया में हर 11 मिनट पर एक महिला अपने परिचितों या परिजनों के हाथों मारी जाती है। शोषण और हिंसा का तांडव झेल रही महिलाओं की समग्र स्थिति का अनुमान भी भयावह है। आज 25 नवंबर को दुनिया महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस मना रही है, तब हमारे दिमाग में स्त्रियों के शोषण के खिलाफ ख्याल आने चाहिए। निस्संदेह, लोग पहले की तुलना में सजग हुए हैं, पर इतना ही पर्याप्त नहीं है। कतर में आयोजित फुटबॉल विश्व कप में ईरान के खिलाड़ियों ने अपने देश में महिलाओं के दमन का जिस तरह विरोध किया है, वह बहुत कारगर है। महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार को रोकना बहुत जरूरी है, उन पर अलग से कानून या कायदा थोपा नहीं जाना चाहिए। ज्ञान-विज्ञान के किसी क्षेत्र में महिलाएं अब पीछे नहीं हैं, वे हर मोर्चे पर मुस्तैदी से लोहा ले रही हैं। यदि हम उनके साथ न्याय के पक्ष में खड़े नहीं होंगे, तो दरअसल अपने हिस्से की ममता घटा देंगे, मां, बहन, बेटियों को कमजोर कर देंगे। घरों में कैद कमजोर महिलाएं जो परिवार, समाज रचेंगी, वह भी कमजोर ही होगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को केवल आंकड़े नहीं गिनाने चाहिए, दुनिया की तमाम सरकारों से महिलाओं का हाल पूछना चाहिए। बचाव के लिए उपाय अवश्य होने चाहिए। सब जानते हैं, समाज 'श्रद्धाओं' से भरा हुआ है और 'आफताब' भी इफरात हैं। 'आफ्ताबों' को कानून-व्यवस्था के जरिये ठीक किया जाएगा, लेकिन 'श्रद्धाओं' को भी अलग ढंग से सोचना होगा। भरोसा, भय या अति-आत्मविश्वास को समझना होगा। लगभग दो साल पहले श्रद्धा ने मुंबई पुलिस को लिखित में बताया था कि 'पूनावाला मुझे गाली देता है और मारता है। मेरा गला दबाने की कोशिश की। वह मुझे डराता और ब्लैकमेल करता है कि मुझे मार डालेगा, टुकड़े-टुकड़े कर देगा और फेंक देगा। छह महीने हो गए हैं, वह मुझे मार रहा है, लेकिन मुझमें हिम्मत नहीं थी।' वास्तव में, शिकायत करने की हिम्मत श्रद्धा ने जुटा ली थी, फिर अपनी ही शिकायत से उसने समझौता भी कर लिया। भारतीय समाज में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिए न जाने कितने लोग जिम्मेदार हैं, लेकिन स्वयं शोषित होने वाले की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। समय रहते जागना, जगे रहना और दूसरों को जगाने का सिलसिला बन जाना चाहिए। 'थोड़ी हिंसा तो चलती है', इस सोच से निकलना होगा। जो परिजन ऐसी हिंसा को छिपाते हैं, वे अपराधी से कम नहीं हैं, 'श्रद्धाओं' के शोषण या मौत में उनका भी हाथ है।

"महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार को रोकना बहुत जरूरी है, उन पर अलग से कानून या कायदा थोपा नहीं जाना चाहिए। ज्ञान-विज्ञान के किसी क्षेत्र में महिलाएं अब पीछे नहीं हैं, वे हर मोर्चे पर मुस्तैदी से लोहा ले रही हैं। यदि हम उनके साथ न्याय के पक्ष में खड़े नहीं होंगे, तो दरअसल अपने हिस्से की ममता घटा देंगे, मां, बहन, बेटियों को कमजोर कर देंगे। घरों में कैद कमजोर महिलाएं जो परिवार, समाज रचेंगी, वह भी कमजोर ही होगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को केवल आंकड़े नहीं गिनाने चाहिए, दुनिया की तमाम सरकारों से महिलाओं का हाल पूछना चाहिए।

यूरोप में गांधी के प्रति श्रद्धा

मजदूर नेता बीके मुकर्जी, एमएलए, जिन्हें भारत सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की आन्तरिक यातायात समिति की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जेनेवा भेजा था, लखनऊ लौट आये हैं। आपने एक मुलाकात में कहा, ''यूरोप में मैं जहां कहीं भी गया कितने ही लोगों ने बड़ी श्रद्धा से मुझसे गांधी जी के विषय में पूछताछ की। डी वेलरा ने गांधी जी के स्वास्थ्य के बारे में बड़ी व्यग्रता से पूछताछ की। दूर देश में रहने वाले अपने एक परम मित्र की भांति उन्होंने एक ही प्रश्न को विभिन्न शब्दों में कई बार पूछा- महात्मा गांधी अब कैसे दिखाई देते हैं? क्या वे अब भी कार्य करते हैं? अब तो वे काफी वृद्ध हो गये होंगे? क्या अब भी वे बहुत दूर तक घूमते हैं? वे क्या खाते हैं? जब मैंने कहा कि गांधी जी कितने ही नौजवानों की अपेक्षा स्वस्थ हैं, तो डी वेलरा का मुख आशा से चमक उठा। स्वीटजरलैंड के एक आदमी को जब यह ज्ञात हुआ कि मैं भारतीय हूं, तो उसने अपनी बाहें मेरे गले में डाल दीं। उसकी आखें श्रद्धा से सराबोर थीं और उसने कहा, ''आप महात्मा गांधी के देश के रहने वाले हैं। जब मैंने डी वेलरा का ध्यान बिगड़ती हुई राजनीतिक स्थिति की ओर आकर्षित किया तो उन्होंने कहा- ''किसी भी समय एक और युद्ध छिड़ सकता है। भारत को इसमें नहीं फंसना चाहिए।'' भारत के विभाजन पर दुख प्रगट करते हुए उन्होंने मुझे प्रेम-पूर्ण सलाह दी- ''यदि आप लोग दोनों भागों को जल्दी फिर से एक न करेंगे, तो बाद में फिर आप उन्हें कभी न मिला सकेंगे। समय एक बड़ा साधन है। आयरलैंड अभी तक विभाजित है। उसके फिर से एक होने की आशा क्षीण है।''

मुकर्जी ने यह भी कहा कि आयरलैंड में बड़ी मितव्ययिता में काम लिया जा रहा है। सप्ताह में दो बार कोई रेल, ट्रेन या बस नहीं चलती और ब्रिटिश विरोधी भावना जितनी आयरलैंड में है, उतनी शायद और कहीं नहीं। स्वीटजरलैंड की चर्चा करते हुए मुकर्जी ने कहा ''काक्स में 'अन्तर्राष्ट्रीय नैतिक शस्त्रीकरण परिषद' के अधिवेशन में मैंने जब कभी महात्मा गांधी का उल्लेख किया तो बड़ी हर्षध्वनि हुई। एक बार मैंने मि. गांधी कह दिया था लेकिन मेरे दुभाषिये ने महात्मा गांधी शब्द का ही प्रयोग किया।''

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026, 7869620239

> "अगर हम अपने देश में 'दूसरी पीली क्रांति' चाहते हैं, तो हमें खेती के तरीके बदलने चाहिए, न कि पारंपरिक बीजों के जीन। मध्य प्रदेश से सबक सीखे जा सकते हैं।

जीएम सरसों पर इतनी जल्दबाजी क्यों

देविंदर शर्मा, कृषि विशेषज्ञ

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अधीन काम करने वाली आनुवांशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी) ने जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सरसों की एक किस्म धारा मस्टर्ड हाइब्रिड (डीएमएच)-11 को पर्यावरणीय मंजूरी दी है। दावा किया गया है कि इससे सरसों की पैदावार बढ़ेगी और खाद्यान्न तेल का आयात कम होगा। तर्क है कि इसमें प्रति हेक्टेयर करीब 2,600 किलो सरसों का उत्पादन होगा, यानी करीब 30 फीसदी अधिक। मगर दिलचस्प है कि जिस किस्म को मंजूर किया गया है, वह 'जंक वैरायेटी' है, यानी विज्ञान की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। फिर, इसकी तुलना वरुणा नामक भारतीय किस्म से की गई है, जिसकी पैदावार पहले ही कम है। इसके बनिस्बत डीएमएच-4 से इसकी तुलना की जाती, जिसमें प्रति हेक्टेयर 3,050 किलो उपज प्राप्त होती है, तो डीएमएच-11 स्वाभाविक तौर पर गैर-जरूरी किस्म जान पड़ती है। ऐसे में, भला यह कैसे कहा जा सकता है कि कम पैदावार वाली किस्म से देश में सरसों का उत्पादन बढ़ा लिया जाएगा?

क्या यह 'न्यू साइंस' है, यानी ऐसी तकनीक या किस्मों को मंजूर करना, जो औद्योगिक घरानों के लिए मुफीद है? दिलचस्प है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) में इसकी पैदावार को लेकर परीक्षण नहीं हुए हैं, तो फिर इसको किस आधार पर मंजूर किया गया है? आखिर इस जल्दबाजी की जरूरत क्यों थी? नई किस्म को मंजूर करने के लिए अपने यहां एक खास तरीका अपनाने का चलन रहा है। उसी किस्म को मंजूर किया जाता है, जो मौजूदा किस्म से कम से कम 10 फीसदी अधिक पैदावार करे। मगर डीएमएच-11 की पैदावार की अब तक आईसीएआर ने पुष्टि ही नहीं की है।

यहां मुझे 2001 की वह बैठक याद आ रही है, जो देश में पहली बार जीएम फसल को अनुमति देने के लिए बुलाई गई थी। उसमें मैं भी मौजूद था। बैठक में बीटी कपास को मंजूर करना था। इसका उत्पादन करने वाली कंपनी मॉनसेंटो-माइको का दावा था कि उसके दो वर्ष के शोध का नतीजा काफी अच्छा रहा है और दो महीने देरी से की गई बुआई के बावजूद कपास की पैदावार में 50 फीसदी तक की वृद्धि देखने को मिली है। मैं उसके तर्क से सहमत नहीं था। जो फसल पांच महीने की हो, उसमें दो महीने देरी से बुआई के बावजूद अधिक उत्पादन कैसे संभव था? और अगर यह संभव है, तो किसानों को दो महीने देरी से कपास की बुआई करने के निर्देश दे देने चाहिए थे? विज्ञान कहता है कि किसी भी फसल की बुआई का समय काफी अहम होता है, इसलिए बीटी कपास बीज बनाने वाली कंपनी ने निस्संदेह बढ़-चढ़कर दावे किए थे। क्या इस बार भी वही कहानी दोहराई गई है? उस वक्त दबाव के बाद तो एक साल के लिए बीटी कपास की मंजूरी टाल दी गई थी, लेकिन इस बार हम ऐसा नहीं देख सके।

कुछ इसी तरह के दावों के साथ 2003-04 में देश में बोवाइन ग्रोथ हॉर्मोन टीके पर अनुमति लेने का प्रयास किया गया था। तर्क दिया गया था कि इससे दूध का उत्पादन बढ़ता है। जब इसके विरोध में कनाडा से आई रिसर्च का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया था कि ऐसे दूध मानव शरीर में जाकर 'प्रॉस्टेट कैंसर' की वजह बनते हैं, तो इस फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आज बिना ऐसे टीके के भारत दूध उत्पादन में शीर्ष पर है और यहां सालाना 21 करोड़ टन दूध का उत्पादन होता है।

साफ है, जीन में हेरफेर करके तैयार उत्पाद हमारे हित में नहीं हैं। झूठे दावों और तर्कों के आधार पर इनकी मंजूरी के प्रयास हो रहे हैं। हम चाहें, तो बिना जीएम किस्मों से सरसों की पैदावार बढ़ा सकते हैं। सन, 1985 में एक बार तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था, पेट्रोल, खाद और खाद्यान्न तेल के आयात से देश पर काफी ज्यादा बोझ है। वह मानते थे कि शुरुआती दो उत्पादों का आयात नहीं रोका जा सकता, लेकिन खाद्यान्न तेल के लिए सरसों के दाने देश में ही उगाए जा सकते हैं। उन्होंने 'तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन' का गठन किया, जिसका मकसद तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना था। उस वक्त हम सालाना 1.1 करोड़ टन तिलहन का उत्पादन करते थे, लेकिन इस मिशन की शुरुआत के अगले 10 वर्षों में हमारा उत्पादन दोगुना हो गया और जरूरत का 97 फीसदी सरसों हम अपने यहां उगाने लगे। हालांकि, बाद के वर्षों में हमने आयात शुल्क कम करना शुरू कर दिया, जो अब शून्य है। नतीजतन, अब हम 1.3 करोड़ टन खाद्यान्न तेल आयात करने लगे हैं और खाद्यान्न तेल आयातक देशों में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। देखा जाए, तो उस पीली क्रांति को हमने खुद विफल कर दिया। आज तेल आयात पर हम हर साल 1.15 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। क्या इतना समर्थन बाहर के किसानों को देने के बजाय हम अपने अन्नदाताओं को नहीं दे सकते?

कुछ इसी तरह के कुत्सित प्रयास उन पैकेटबंद खाद्य पदार्थों को लेकर भी हो रहे हैं, जो जीएम उत्पादों से तैयार होते हैं। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने नियमों का एक मसौदा तैयार किया है, जो इन खाद्य पदार्थों से जुड़ा है। माना जा रहा है कि अमेरिका के पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के निर्यात की राह आसान बनाने के लिए यह पहल हो रही है। हमें इससे बचना चाहिए।

साफहै, सबके विकास के लिए सबका साथ चाहिए। हम चाहें, तो अपने देश में ही समाधान ढूंढ़ सकते हैं। जैसे, सरसों उत्पादन में मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान जैसे राज्य सिरमौर माने जाते हैं। मध्य प्रदेश में खेती का एक तरीका है- सिस्टम ऑफ मस्टर्ड इंटेन्सिफिकेशन। इसमें कम पानी का इस्तेमाल करके पारंपरिक बीजों से ही अच्छी उपज पाई जाती है। इसी कारण इस तकनीक से सरसों की 4,600 किलो प्रति हेक्टेयर तक की पैदावार प्राप्त की जा रही है। राजस्थान में भी इसी तकनीक से हम 3,200-3,600 किलो प्रति हेक्टेयर सरसों उगा लेते हैं। क्या ऐसे प्रयास सरसों उगाने वाले अन्य राज्यों में नहीं हो सकते? आज भला उस किस्म पर दांव क्यों लगाना, जिससे महज 2,600 किलो प्रति हेक्टेयर की उपज हो? अगर हम 'दूसरी पीली क्रांति' चाहते हैं, तो हमें खेती के तरीके बदलने चाहिए, न कि पारंपरिक बीजों के जीन।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रूस-यूक्रेन युद्धः कोयला से ऊर्जा उत्पादन बना मजबूरी

प्रमोद भार्गव

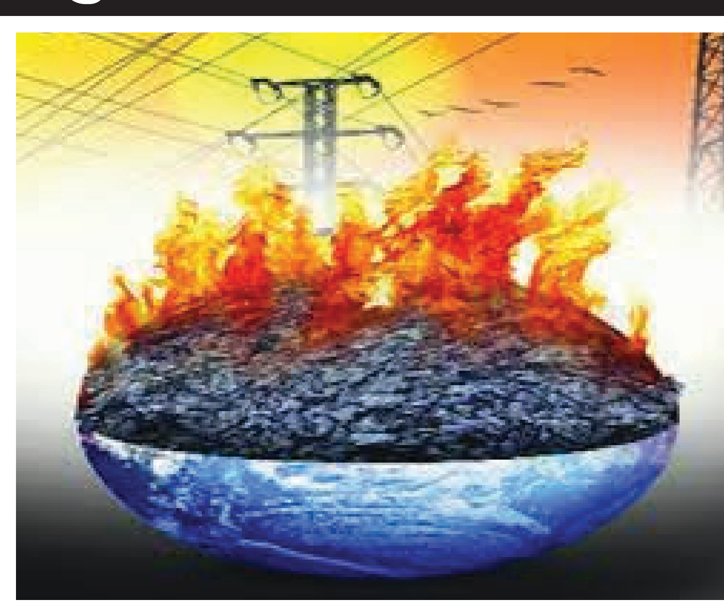

धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब दो दशक से जलवायु परिवर्तन की तलवार लटकी हुई है।

मनुष्य और इसके बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) के नाम से भी जाना जाता है।

इस बार सीओपी की 27वीं बैठक मिस्त्र के शर्म अल-शेख शहर में संपन्न हुई। सम्मेलन में बहुत कुछ नया नहीं हुआ। लगभग पुरानी बातें हीं दोहराई गई। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई, लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन, जापान और भारत भी शामिल है, लेकिन रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर देने के कारण फिर से चालू करने की तैयारी कर रहे हैं।

2018 का ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ है। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कॉर्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रु झान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कॉर्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा है। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई है, जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर हैं। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया है, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था। इसलिए कॉर्बन उत्सर्जन पर उसने कोई प्रयास ही नहीं किए, परंतु रूस के यूक्रेन पर नौ माह से चले आ रहे हमले के नतीजतन ऊर्जा उत्पादन एक बार फिर से कोयले पर निर्भरता की ओर बढ़ रहा है। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। नवम्बर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक व निर्यातक रियो टिंटो ने अपनी 80 प्रतिशत कोयले की खदानें बेच दीं थीं, क्योंकि भविष्य में कोयले से बिजली उत्पादन बंद होने के अनुमान लगा लिए गए थे। भारतीय व्यापारी गौतम अडानी ने इस अवसर का लाभ उठाया और अडानी ने 'आस्ट्रेलिया कोल कंपनी' बनाकर आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड क्षेत्र में कोयला खदानें भी हासिल कर लीं।

अडानी ने कारमिकेल कोयला खदान पर पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद 2019 से कोयले का खनन शुरू कर इसे बेचना भी आरंभ कर दिया है। इसी साल फरवरी में जब भारत में कोयले का संकट खड़ा हुआ था, तब आस्ट्रेलिया से ही भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने कोयला खरीदा था। दूसरी तरफ, कोयले की खपत बिजली उत्पादन के लिए बढ़ेगी तो कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा। अतएव धरती के तापमान में वृद्धि भी बढ़ेगी। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है।

इसी सिलसिले में जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सभी देश यदि जलवायु बदलाव के सिलसिले में हुई क्योटो-संधि का पालन करते हैं, तब भी वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 के स्तर की तुलना में 2030 तक 10.6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। नतीजतन तापमान भी 1.5 से ऊपर जाने की आषंका बढ़ गई है। आईपीसीसी की यह रिपोर्ट ऐसे समय आई थी, जब 6 नवम्बर 2022 से मिस्त्र के शर्म अल-शेख में जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू होने जा रहा था, लेकिन इस सम्मेलन की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही कि इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने और रूस द्वारा बंद कर दी गई गैस प्रदायगी को फिर से चालू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई। तय है, बंद पड़े कोयले से चलने वाले विद्युत ताप घर शुरू हो गए तो पृथ्वी को आग का गोला बनने से रोकना मुश्किल होगा?

परपीड़ा बांटने का लाभ

हमारे ज्यादातर दुख आत्मकेंद्रित सोच की उपज हैं, जो दूसरों की कीमत पर अपनी भलाई को महत्व देती है, जबकि हमारे जीवन में खुशियां दूसरों के कल्याण को सहेजने से प्रेरित हैं। परोपकार और करुणा के संदर्भ में बौद्ध शिक्षाओं में खास तरह की अभिव्यक्तियां की जाती हैं। जैसे, 'हमें अपनी भलाई की उपेक्षा करनी चाहिए और दूसरों के हित संजोने चाहिए।' स्वेच्छा से किसी अन्य की पीड़ा बांटने के अभ्यास के संदर्भ में इस उपदेश को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। बुनियादी बात यही है कि यदि आप में स्वयं को प्रेम करने की क्षमता नहीं है, तो दूसरा कोई आधार नहीं है, जिस पर दूसरों से प्रेम, उनकी परवाह करने की भावना का निर्माण किया जा सके। मगर खुद से प्यार करने का मतलब यह कतई नहीं कि आप अपने वजूद के कर्जदार बन जाएं, बल्कि स्वयं के प्रति दयालु होने की आपकी क्षमता इस मौलिक तथ्य पर आधारित होनी चाहिए कि हम सब में सुख चाहने और दुख से बचने की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। एक बार जब यह आधार व्यक्ति के अस्तित्व में आ जाता है, तो वह इसे दूसरों में वितरित कर सकता है। इसलिए, जब हमें 'स्वयं की भलाई की उपेक्षा और दूसरों के हितों के संरक्षण' जैसे कथन मिलें, तो हमें उनको करुणा के आदर्श के रूप में स्वयं को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। यह समझना बेहद महत्वपूर्ण है कि यदि हम आत्मकेंद्रित विचारों के जाल में नहीं फंसते, जो दूसरों पर हमारे कार्य के प्रभाव की उपेक्षा करता है, तो जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हम अपने भीतर यह दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम हो जाते हैं कि दूसरे जीव काफी मूल्यवान हैं और यह दृष्टिकोण है- हमारी खुशी और सफलता में दूसरों की करुणा, दया की भी हिस्सेदारी है।

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ में वनोपज आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने अहम निर्णय

छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों की बढ़ेगी संख्या: उद्योगों को अपना हर्बल उत्पाद विक्रय करने में होगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वनोपज आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अहम निर्णय लिया गया है। इसके तहत त्रिपक्षीय एमओयू के आधार पर स्थापित वनोपज आधारित उद्योगों द्वारा जो उत्पाद निर्माण किए जाएंगे और इन उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड अंतर्गत 40 प्रतिशत की छूट के साथ क्रय करते हुए संजीवनी एवं अन्य माध्यमों से विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

इस फैसले से छत्तीसगढ़ हर्बल्स के अंतर्गत उत्पादों की संख्या बढ़ेगी तथा उद्योगों को अपना हर्बल्स उत्पाद विक्रय करने में एक अतिरिक्त माध्यम मिलेगा, जिससे वनोपज आधारित उद्योगों की स्थापना को और प्रोत्साहन मिलेगा। गौरतलब है कि वनोपज आधारित उद्योगों के साथ किए गए त्रिपक्षीय एम.ओ.यू के अंतर्गत लघु वनोपज संघ द्वारा कच्चे वनोपज निश्चित दर पर उपलब्धता के आधार पर प्रदान किया जायेगा तथा उद्योगों के द्वारा तैयार उत्पादों का विक्रय एवं विपणन में सहायता प्रदान की जायेगी। वर्तमान में कलेक्टर सेक्टर के स्व-सहायता समूहों के माध्यम से निर्मित उत्पादों को 35 प्रतिशत की छूट के साथ आवश्यकता के अनुसार क्रय कर संवितरक के माध्यम से विक्रय किया जा रहा है।

मंत्रीपरिषद की बैठक में एमओयू के तहत स्थापित उद्योगों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल्स के ब्रांडिंग एवं विपणन हेतु 5 प्रतिशत की राशि अतिरिक्त रखते हुए 40 प्रतिशत की छूट के साथ आवश्यकता एवं मांग के अनुसार कय करते हुए संवितरक के माध्यम से विक्रय किए जाने का निर्णय लिया गया। इससे छत्तीसगढ़ हर्बल्स के अंतर्गत उत्पादों की संख्या बढ़ेगी तथा उद्योगों को भी अपना हर्बल्स उत्पाद विक्रय करने में एक अतिरिक्त माध्यम मिलेगा, जिससे वनोपज आधारित उद्योगों की स्थापना को और प्रोत्साहन मिलेगा। वर्तमान में त्रिपक्षीय एम.ओ.यू. अंतर्गत 02 उद्योगों द्वारा उत्पादन प्रारंभ किया गया है, अवनि आयुर्वेदा लिमिटेड, रायपुर द्वारा मिलेट आधारित उत्पादों का तथा कोसर एग्रो प्रायवेट लिमिटेड, पुणे द्वारा इमली से संबंधित उत्पादों का निर्माण प्रारंभ किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पदभार संभाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के नवनियुक्त अध्यक्ष इदरीश गांधी, उपाध्यक्ष नजीर कुरैशी और सदस्यगण सर्वश्री नजीर अहमद सिद्दिकी, सत्तार अली, रिजवान खान, इस्माईल खान, गुलाबुद्दीन, एजाज खोखर, मुनव्वर अली, शब्बीर खान, अब्दुल शाहिद कुरैशी, बदरूद्दीन इराकी और श्रीमती हाजरून खान (बानो) ने आज अपना पद्भार ग्रहण किया।

शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित वन मंत्री मोहम्मद अकबर, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, विधायक कुलदीप जुनेजा, अध्यक्ष खादी ग्रामोद्योग बोर्ड राजेन्द्र तिवारी, अध्यक्ष पाठ्यपुस्तक निगम शैलेष नितिन त्रिवेदी, अध्यक्ष हज कमेटी असलम खान, अध्यक्ष योग आयोग ज्ञानेश शर्मा, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग महेन्द्र छाबड़ा एवं सदस्य अनिल जैन एवं हफीज खान, सभापति नगर निगम रायपुर प्रमोद दुबे, पूर्व अध्यक्ष वक्फ बोर्ड सलाम रिजवी सहित अन्य निगम मंडल के सदस्य उपस्थित थे। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री इदरीश गांधी ने पद्भार ग्रहण समारोह में उपस्थित मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए सरकार की मंशा के अनुरूप राज्य में उर्दू भाषा को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि उर्दू अकादमी अपने लक्ष्य और उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरी संजीदगी से काम करेगी। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी प्रशासनिक सेवा की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग क्लासेस प्रारंभ करने के लिए भरपूर कोशिश करेगी। इस मौके पर उर्दू अकादमी के सचिव श्री एम.आर. खान ने उर्दू अकादमी की गतिविधियों की जानकारी दी।

खास खबर

तांदुला जलाशय में नौका विहार का पुनः संचालन शुरू करने तैयार की जा रही है कार्ययोजना

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार तांदुला जलाशय में नौका विहार का पुनः संचालन शुरू करने कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर जल संसाधन विभाग द्वारा अधिकतम जल स्तर का मार्किंग कर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को अग्रिम क्रियान्वयन हेतु अवगत करा दिया गया है एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के मार्गदर्शन में पुनः संचालन शुरू करने और संसाधनों के उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री टी.सी.वर्मा ने बताया कि नौका विहार तक पहुंचने सी.सी.मार्ग, चेकर टाईल्स, पर्यटक प्रतिक्षालय, टिकिट घर व लोहे का प्रवेश द्वारा का निर्माण वर्ष 2017 में डीएमएफमद से जल संसाधन विभाग द्वारा कराया गया था। उन्होंने बताया कि नौका खरीदी राजस्व विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकी संवा विभाग द्वारा किया गया।

रबी फसलों की सिंचाई के लिए किया जाएगा जलाशयों से जलप्रदाय

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार रबी के अंतर्गत धान का फसल नहीं लिये जाने हेतु कृषकों से अपील की गई है जिसके परिपालन में धान के अतिरिक्त अन्य रबी, दलहन, तिलहन आदि समस्त फसलों के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा जलाशयों से जल प्रदाय किया जाएगा। जल संसाधन संभाग बालोद के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि इस वर्ष जिले के समस्त जलाशयों में पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए इस संबंध में समस्त समाचार पत्रों में प्रकाशित किये गये थे। इसके उपरांत भी कई उत्साही कृषकगण जनप्रतिनिधियों के पास पंहुच कर धान के फसल के लिए सिंचाई विभाग के जलाशयों से जल प्रदाय किये जाने हेतु मांग कर रहे हैं।

दो दिवसीय जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का हुआ आगाज, प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

पहले दिन जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने रस्साकसी में हिस्सा लेकर खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सारंगढ़ के खेलभाठा मैदान में जिला स्तरीय दो दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का आगाज हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में संसदीय सचिव एवं बिलाईगढ़ विधायक श्री चंद्रदेव राय उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सारंगढ़ श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में रायगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सारंगढ़ मंजू मालाकार, जनपद पंचायत अध्यक्ष बरमकेला तारा तरूण शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष बिलाईगढ़ भूमिका कत्थाकार, नगर पालिका अध्यक्ष सारंगढ़ सोनी अजय बंजारे, पुरूषोत्तम साहू, शरद यादव, अरूण मालाकार, कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी, पुलिस अधीक्षक राजेश कुकरेजा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग, अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, एसडीएम सारंगढ़ श्रीमती मोनिका वर्मा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव एवं बिलाईगढ़ विधायक श्री चंद्रदेव राय ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों के माध्यम से हर वर्ग को राज्य की पारंपरिक खेलों से जोडने् का प्रयास कर रही है, इससे पहले देश में कभी भी स्थानीय खेलों का इतने बड़े स्तर पर आयोजन नहीं हुआ है। उन्होंने जिले के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल हमें तंदुरूस्त रखता है, खेलों से हमारा मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहता है, उन्होंने गेड़ी और फुगड़ी जैसे खेलों का महत्व गिनाते हुए बताया कि ये आसान खेल नहीं हैं, इन खेलों में शरीर की पूरी मेहनत लगती है, माटी से जुड़ा व्यक्ति ही इन खेलों को खेल सकता है। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, सबले बढ़िया सारंगढ़िया वाक्य का स्मरण कराते हुए कहा कि सारंगढ़िया सबले बढ़िया वाक्य तभी सार्थक होगा जब राज्य स्तर पर सारंगढ़ के खिलाड़ी विजयी होंगे। आगे उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि जो भी खिलाड़ी चाहे वह एकल खेल हो या दलीय खेल हो, उसमें अगर राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करते हैं तो वे और विधायक सारंगढ़ उस खिलाड़ी को अपनी ओर से बीस-बीस हजार रूपये का पुरूस्कार देंगे।

विधायक सारंगढ़ उत्तरी जांगड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि अभी हमारा नया-नया जिला बना है, खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी खिलाड़ी जिले का नाम रोशन करिए। इस मौके पर संसदीय सचिव एवं बिलाईगढ़ विधायक चंद्रदेव ने फीता काटकर खेलों का शुभारम्भ किया इसके पश्चात् विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपत जांगड़े सहित कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी और अन्य जनप्रतिनिधिगणों एवं अधिकारियों ने रस्साकसी खेल में हाथ आजमाया और खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया।

कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी ने कहा कि महिलाओं, बच्चों और सभी नवयुवकों को इस ओलम्पिक में खेलते देखकर प्रसन्नता हो रही है, उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए जानकारी दी कि 24 एवं 25 नवम्बर तक खेलभाठा मैदान में जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 14 विभिन्न वर्गों के लगभग 800 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि खेलों से हममें खेल भावना पैदा होती है, जिन लोगों के भीतर ये खेल भावना होती है वे जीवन की हर एक समस्या को बहुत आसानी से सुलझा लेते हैं। आज जिला स्तर के आयोजन के पहले दिन (0-18) आयु वर्ग महिला एवं पुरूष वर्ग के सभी खेल एवं 40 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के महिला एवं पुरूष वर्ग के सभी खेलों का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रदर्शन किया।

कल 18-40 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों की प्रतियोगिता होगी। इस मौके पर सभी जनपद सीईओ, सीएमओ सहित खेल अधिकारी उपस्थित रहे।

नरवा विकास योजना से जल संरक्षण, फसल उत्पादन और सिंचाई क्षमता में हो रही बढ़ोतरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सुराजी योजना के तहत जिले में नरवा विकास के कार्यों के सकारात्मक परिणाम लगातार दिखाई दे रहे हैं। नरवा विकास योजना से जल संरक्षण, फसल उत्पादन और सिंचाई क्षमता में बढ़ोतरी हो रही है। योजना अन्तर्गत झोंका नाला के उपचार से 14 हेक्टेयर में सिंचाई रकबा बढ़ गया है। नाले के उपचार से 3 गावों के 175 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। नाला उपचार के कार्यों से ग्रामीणों को गांव में ही काम मिला है।

मनरेगा के माध्यम से नाला उपचार के कार्यों से पांच हजार 65 रोजगार दिवस का सृजन हुआ है। जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत झोंका नाला में जल संरक्षण एवं संवर्धन की विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है। जिससे क्षेत्र में सिचाई रकबा बढ़ गया है। सिंचाई सुविधा मिलने से किसान अब वर्ष में दो फसल ले रहे हैं। किसान अब धान के साथ ही गेहूं सब्जी का उत्पादन भी करने लगे हैं। जिससे किसानों की वार्षिक आमदनी बढ़ी है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। ग्राम पंचायत अमलडीहा सरपंच मनोज बाई कंवर का कहना है कि सरकार की नरवा विकास योजना बहुत ही लाभदायी योजना है। इस योजना के तहत परम्परागत जल स्त्रोतों का संरक्षण और विकास किया जा रहा है। जिसका लाभ किसानों को मिल रहा हैं।

झोंका नाला ग्राम पंचायत तुमान के पहाड़ से निकल कर अमझर, अमलडीहा से बहते हुए अहीरन नदी में मिलता है। इस नाले में पहले आठ महीने ही पानी रहता था, गर्मी के दिनों में पानी सूख जाता था। मई - जून के महीनों में पानी का संकट ज्यादा गहरा जाता था। मवेशियों के लिए भी पानी मिलना मुश्किल हो जाता था। इसके अलावा गर्मियों में नाले के समीप किसान चाह कर भी दूसरी फसल नहीं ले पाते थे। इस समस्या के समाधान के लिए नरवा उपचार और नरवा विकास के विभिन्न कार्य कराए गए। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत झोंका नाला में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभिन्न सरचनाएं जैसे डबरी निर्माण लूज बोल्डर चेक डैम, गली प्लग, गेबियन स्टाप डेम आदि जल संरचनाओं का निर्माण किया गया। जिससे अब नाले में साल भर पानी भरा रहता है।

नाले में जल संरचनाओं के निर्माण से जहाँ एक ओर इस क्षेत्र का जल स्तर करीब 1 मीटर बढ़ गया है। जिससे अब यहां के बोर कुआ जल्दी नहीं सूखते हैं, वहीं दूसरी ओर मनरेगा से कराये निर्माण कार्यों से पाँच हजार 065 रोजगार दिवस सृजित किये गये हैं। ग्रामीण भी खुश हैं। नाले में वर्ष भर पानी रहने से 3 गांवों के 175 किसानों को सिंचाई सुविधा मिल रही है, जिससे फसल उत्पादन भी बढ़ गया है।

सड़को पर दुर्घटना रोकने रंबल स्ट्रिप का उपयोग, ओवरस्पीडिंग पर रोक और आवश्यक सुरक्षा साधनों का करें उपयोग: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर झा ने समग्र सड़क सुरक्षा परिदृश्य, जिले में सड़क सुरक्षा से संबंधित किए गए प्रयास, सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, दुर्घटना नियंत्रण के उपाय व सड़क सुरक्षा जागरूकता के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर झा ने बैठक में सड़क दुर्घटना रोकने रंबल स्ट्रिप का उपयोग करने, ओवर स्पीडिंग को नियंत्रित करने तथा आवश्यक सुरक्षा साधनों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र के टीपी नगर में बेतरतीब खड़े वाहनों को हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अनावश्यक खड़े वाहनों को हटाने के लिए अभियान चलाने तथा ऐसे वाहनों पर आवश्यक जुर्माना लगाने की कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में ट्रामा सेंटर की स्थिति एवं सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के त्वरित उपचार की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने घायलों के तत्काल उपचार की व्यवस्था के लिए स्वास्थ्य संसाधनों को मजबूत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर झा ने सीएमएचओ डॉ एसएन केसरी को जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे अस्पताल सीएचसी कटघोरा में जरूरी सर्जन, ऑर्थोपेडिशियन, ईएनटी और एनेस्थिटिक डॉक्टर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह, अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले, नगर निगम के आयुक्त प्रभाकर पांडे, संयुक्त कलेक्टर शिव बनर्जी, कोरबा एसडीएम सीमा पात्रे सहित पीडब्लूडी, परिवहन, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर संजीव झा ने सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशों का समस्त सड़क निर्माण विभाग, पी.डब्ल्यू.डी, एनएचएआई व पीएमजीएसवाई द्वारा अनुपालन की जानकारी ली। उन्होंने पूर्व में चिन्हित एवं नए ब्लैक स्पॉट की पहचान तथा आवश्यक सुधार के लिए किए गए प्रयास की जानकारी ली। इसके अलावा विभिन्न मार्गो एवं स्थानों पर सुरक्षा हेतु किए गए उपाय, सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन के लिए लगाए गए संकेतक एवं प्रमुख मार्गों, नए मार्गों पर वाहन चालकों हेतु संस्थापित सुविधाएं की जानकारी ली। उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिए जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने परिवहन विभाग के अधिकारियों से ओव्हर लोड, वाहनों पर की गई कार्यवाही एवं सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम व योजना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कार्यवाही एवं सड़कों- फुटपाथ तथा पार्किंग स्थलों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के बारे में जानकारी ली।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत एएमओ पद के लिये पात्र अपात्र सूची जारी

कोरबा। स्वास्थ्य विभाग कोरबा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत संविदा पदों में भर्ती के लिये आवेदन आमंत्रित किये गये थे। आवेदनों की जांच स्करूटनी पश्चात एएमओ आरबीएसके आयुष (एनएचएम) पद के लिये पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। जारी सूची पर दावा आपत्ति 29 नवंबर तक आमंत्रित की गई है। दावा आपत्ति कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा में स्वंय उपस्थित होकर या रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से शाम 5 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने पीजी की ज्यादा से ज्यादा सीटें स्वीकृत कराएंः टीएस सिंहदेव

चिकित्सा शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई राजनांदगांव शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्वशासी समिति की बैठक

समिति की बैठक हर तीन माह में आयोजित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री टीएस सिंहदेव की अध्यक्षता में राजनांदगांव स्थित भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के स्वशासी समिति की साधारण सभा की बैठक हुई। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने मेडिकल कॉलेज में पीजी की ज्यादा से ज्यादा सीटें स्वीकृत कराने कहा। उन्होंने स्वशासी समिति की बैठक हर तीन माह में आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वशासी समिति के सदस्य संसदीय सचिव इंद्रशाह मंडावी, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., दुर्ग संभाग के आयुक्त महादेव कावरे, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त, राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रेणुका गहिने और अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रदीप बेक भी शामिल हुए।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सिंहदेव ने बैठक में मेडिकल कॉलेज को अध्ययन-अध्यापन और आधारभूत संरचना की मजबूती के लिए मिलने वाले बजट का पूरा उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए स्वशासी मद की राशि का भी अधिकतम इस्तेमाल करने कहा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज को प्रस्तावित मदों में आबंटित राशि का पूर्णतः सदुपयोग करने कहा। स्वशासी समिति की बैठक में नेशनल मेडिकल कमीशन के मापदंडों के अनुरूप महाविद्यालय और छात्रावास परिसर में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी खरीदने व स्थापित करने की मंजूरी प्रदान की गई।

श्री सिंहदेव ने बैठक में महाविद्यालय की स्थापना के बाद से स्वशासी शाखा के अब तक के बुक-कीपिंग कार्य के लिए टेंडर जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में मेडिकल कॉलेज में संविदा में कार्यरत केजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर के वेतन में वृद्धि के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। समिति की पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन का भी अनुमोदन स्वशासी समिति की बैठक में किया गया।

खास खबर

श्रमदान कर गांव के लोग खेतों से गौठान पहुंचा रहे पैरा

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने जिले के किसानों से अधिक से अधिक पैरा दान करने की अपील की है ताकि गौठनों में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। उन्होंने पैरा को अपने नजदीक के गौठान में दान करने का आग्रह किया है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे पैरा दान महा अभियान में संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी तत्परता से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि खेतों में पड़े फसल के अवशेष को जलाने से होने वाले प्रदूषण देश भर में एक समस्या के तौर पर देखा जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य में शासन और जनता के परस्पर समन्वय ने इस समस्या का समाधान ढूंढ निकालना संभव प्रतीत हो रहा है। धान की फसल काटने के बाद बचे पैरा को लोग गौठानों में दान कर रहे है। पैरा दान के इस महाअभियान में आम लोगों के साथ साथ, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी अपना योगदान दे रहे है। कलेक्टर डॉ भुरे ने कहा कि राज्य शासन ने पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सुराजी गांव योजना के तहत गौठान बनाए है। इनमे पशुओं के लिए चारे एवं पानी का निःशुल्क इंतजाम गौठान समितियों द्वारा किया जाता है। पशुधन के लिए गौठान में सूखे चारे का पर्याप्त व्यवस्था हो जाने से समितियों को आसानी होगी। राज्य शासन के पहल पर लोगों ने श्रम दान कर गौठानों तक पैरा पहुंचाया है साथ ही कुछ स्थानों में ट्रांसपोर्ट के लिए पैसों का भुगतान गौठान समितियों द्वारा किया जा रहा है। जिले के आरंग विकासखंड के ग्राम सेमरिया पैरा दान के इस अभियान में एक मिसाल बना है जहां गांव भर के लोगों ने सिर में पैरा ढोकर उसे गौठान तक पहुंचाया है।

दत्तक-भावी दत्तक अभिभावकों का राज्य स्तरीय सम्मेलन 26 को

रायपुर (ए)। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा वैधानिक दत्तक ग्रहण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रायपुर के सिविल लाईन स्थित न्यू सर्किट हाऊस में 26 नवंबर को दोपहर 12 बजे राज्य स्तरीय दत्तक अभिभावक और भावी दत्तक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण नई दिल्ली के प्रतिनिधि द्वारा दत्तक ग्रहण के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर दत्तक अभिभावक और भावी दत्तक अभिभावक अपना अनुभव साझा करेंगे। सम्मेलन में भारत सरकार के केन्द्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण के प्रतिनिधि मनीष त्रिपाठी, बाल कल्याण समितियों के अध्यक्ष, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल गृहों के अधीक्षक और विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने मत्स्य विभाग के अधिकारियों को किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट इनलैंड स्टेट का मिला है पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री निवास में मत्स्य पालन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट इनलैंड स्टेट का अवार्ड मिलने पर मत्स्य विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कृषि एवं मछली पालन मंत्री रवीन्द्र चौबे भी उपस्थित थे। दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मछुआरों को लाभान्वित करने के लिए विभाग अधिक गतिशील हो। साथ ही मत्स्य पालन और मत्स्य उत्पादन का लाभ निर्धन तबके के मत्स्य पालकों और उत्पादकों को प्राथमिकता से दिया जाए।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य को आज दमन में विश्व मत्स्यिकी दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में मत्स्य पालन के क्षेत्र बेस्ट इनलैंड स्टेट का पुरस्कार प्राप्त हुआ था। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम दुनेथा दमन में आयोजित किया गया था। अतिथियों की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ राज्य को 'बेस्ट इनलैंड स्टेट' अवार्ड सम्मान के रूप में 10 लाख रूपए का पुरस्कार व स्मृति चिन्ह और धमतरी जिले के बगौद गांव के मत्स्य पालन फर्म भारत बाला एक्वाकल्चर को भी 'बेस्ट प्रोप्राइटरी फर्म' के रूप में दो लाख रूपए का पुरस्कार व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एमआर निषाद, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह और मत्स्य विभाग के संचालक एनएस नाग तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

पेंशन प्रकरणों का ई-कोष अन्तर्गत ऑनलाइन किया जा रहा है निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण ऑनलाइन पद्धति से किया जा रहा है। इसके लिए आभार आपकी सेवाओं का पेंशन मैनेजमेंट सिस्टम का संचालन 31 मई 2018 से किया जा रहा है। शासकीय सेवक की सेवा पुस्तिका में दर्ज वेतनमानों का अनुमोदन संभागीय संयुक्त संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन कार्यालय द्वारा सेवा पुस्तिका में अंकित प्रविष्टियों व उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर निर्धारित समयावधि में किया जा रहा है। पेंशन प्रकरणों में आ रही समस्याओं एवं त्वरित निराकरण हेतु संभागीय संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन कार्यालयों द्वारा अपने संभाग के विभिन्न जिलों में लगातार पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग द्वारा पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु वित्त निर्देश 28/2018 जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत पेंशन प्रक्रिया के निराकरण से संबंधित समस्त कार्यालय हेतु समय-सीमा निर्धारित की गई है। जारी निर्देश अनुसार शासकीय सेवक के सेवानिवृत्त होने के 2 वर्ष पूर्व संबंधित कर्मचारी का पेंशन प्रकरण बनाने की प्रक्रिया शुरू कर 3 माह पूर्व प्रकरण संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन को प्रेषित किया जाना अनिवार्य है। पेंशन प्रकरण भेजने की जिम्मेदारी संबंधित सेवानिवृत्त शासकीय सेवक के कार्यालय प्रमुख की है। प्रकरण प्राप्त होने पर संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन द्वारा 30 दिवस के भीतर प्रकरण का निराकरण कर पीपीओ जारी करते हुए प्रकरण कोषालय अधिकारी को प्रेषित किया जाता है। साथ ही पेंशनर को एसएमएस द्वारा पेंशन प्रकरण की जानकारी दी जाती है।

किसी प्रकरण में संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन द्वारा आपत्ति लगाए जाने की स्थिति में संबंधित कार्यालय प्रमुख द्वारा 15 दिवस के भीतर आपत्ति का निराकरण कर प्रकरण वापस संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन को प्रेषित किया जाना वित्त निर्देशों के अनुसार अनिवार्य है। पेंशन प्रकरणों में पेंशनरों से संबंधित कार्यालय प्रमुखों की ओर से ही पेंशन कार्यालय द्वारा लगायी गयी आपत्ति के निराकरण में विलंब के कारण ही पेंशन प्रकरणों के निराकरण में विलंब की स्थिति निर्मित होती है। पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए ई-कोष अंतर्गत पेंशन विकल्प अंतर्गत हेल्पलाईन नंबर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है तथा पेंशन प्रकरण के निराकरण में किसी प्रकार की समस्या होने पर पेंशनर हेतु लॉगिन द्वारा आभार पोर्टल पर ऑनलाईन शिकायत की व्यवस्था है।

प्रदेश में सब्जी, फल-फूलों की खेती में भी शून्य प्रतिशत की दर से अल्पकालीन ऋण की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को उद्यानिकी फसलों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर तीन लाख रूपए तक का ऋण दिया जा रहा है। उद्यानिकी फसलों की उन्नत खेती के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और उन्नत खेती के लिए सिंचाई सहित विभिन्न उपकरणों पर अनुदान भी दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में उद्यानिकी फसलों का रकबा 834.311 हेक्टेयर है और उत्पादन 11236.447 मीट्रिक टन है। शासन की योजनाओं के फलस्वरूप किसान उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर प्रेरित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उद्यानिकी फसलों की खेती में परंपरागत् खेती की अपेक्षा तीन गुणा अधिक फायदा होता है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यतः टमाटर, हरी मिर्च का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में कई प्रकार की भाजियां पालक, लालभाजी, चेंचभाजी, चौंलईभाजी, पटवाभाजी, मुनगाभाजी, कुसुमभाजी, प्याजभाजी अन्य कई प्रकार की भाजियां पाई जाती है, जिसकी खपत मुख्यतः छत्तीसगढ़ में ही होती है। सब्जियों में भिंडी, परवल, फूलगोभी, पत्ता गोभी, भाटा, करेला, सेमी, कुंदरू, कटहल, मुनगा इत्यादि सब्जियां और फलों में अंगूर, केला, अनानास, पपीता, काजू, अमरूद का उत्पादन होता है साथ ही कई प्रकार के फूलों की खेती होती है।

राज्य शासन द्वारा चलाई जाने वाली योजनाएं

राज्य शासन द्वारा फल पौध रोपण हेतु, नदी कछार/तटों पर लघु सब्जी उत्पादक समुदायों को प्रोत्साहन की योजना, बी.पी.एल एवं लघु/सीमांत कृषक बाड़ी में टपक सिंचाई योजना, कम्यूनिटी फेसिंग योजना, पोषण बाड़ी विकास योजना सहित अन्य योजना राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही है।

कृषकों को दी जा रही है अनुदान सहायता

इसी तरह संरक्षित खेती के अंतर्गत ग्रीन हाउस स्ट्रक्चर, फैन एंड पैड सिस्टम के निर्माण पर प्रति हितग्राही अधिकत 4000 वर्ग मी. हेतु कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान की सहायता दी जाती है। इसी तरह नैचुरल वेंटीलेटैड सिस्टम, टयूब्यूलर स्ट्रक्चर शेडनेट हाऊस, पाली हाऊस के निर्माण में प्रति हितग्राही अधिकतम 4000 वर्ग मी. तक सीमित कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। विभाग में संचालित किसान कॉल सेन्टर 1800-180-1511 के द्वारा किसानों को सलाह भी दी जाती है।

राज्य में धान खरीदी के लिए बारदाने की कमी नहीं

जिलों में उपलब्ध 2.97 लाख गठान में से मात्र 70,250 गठान का ही हुआ है उपयोग

धान खरीदी के लिए अभी भी 2.27 लाख गठान बारदाने उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए कहीं भी बारदाने की कमी नहीं है। जिलों के भण्डारण केन्द्र, सोसायटियों सहित उपार्जन केन्द्रों में आज की स्थिति में धान खरीदी के लिए इतने बारदाने उपलब्ध हैं कि आगामी एक-सवा माह तक बारदाने की कोई कमी नहीं होगी। खाद्य सचिव टीके वर्मा ने बताया कि इस साल राज्य में 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी के अनुमानित लक्ष्य को देखते हुए 5 लाख 50 हजार नग गठान बारदाने की व्यवस्था शासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। राज्य मेंबारदाने की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए 50 प्रतिशत नए और 50 प्रतिशत पुराने बारदाने धान खरीदी की जा रही है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी के लिए अब तक जिलों को 2 लाख 97 हजार गठान बारदाना प्राप्त हो चुका है, जिसमें से अभी तक मात्र 70 हजार 250 नग गठान बारदाने का उपयोग धान खरीदी के लिए हुआ है। अभी भी जिलों में धान खरीदी के लिए 2 लाख 27 हजार नग गठान बारदाने उपलब्ध हैं।

खाद्य सचिव टीके वर्मा ने बताया कि धान खरीदी के लिए राज्य को इस साल भारत सरकार के जूट कमिश्नर से 2 लाख 37 हजार गठान बारदाना मिलना था, जिसमें से 2 लाख 17 हजार गठान बारदाना उपलब्ध हो चुका है। बीते वर्ष का 42 हजार गठान नया बारदाना बचा हुआ था, जिसे मिलाकर राज्य में 2 लाख 80 हजार नग नया बारदाना उपलब्ध है, जिसमें धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग का चावल भी उपार्जित किया जा रहा है। धान खरीदी के लिए बीते वर्ष उपयोग में लाए गए 81 हजार गठान प्लास्टिक के बारदाने सहित शेष 6 हजार गठान नए प्लास्टिक बारदाने के उपयोग के साथ ही पीडीएस और मिलर्स से प्राप्त पुराने बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। राज्य के कुछ खरीदी केन्द्रों में पुराने बारदानों में इक्का-दुक्का बारदानों के कटे-फटे मिलने की शिकायतें सामने आई हैं। इसकी जांच की जा रही है और संबंधित आपूर्तिकर्ता के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

खाद्य सचिव ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों को डिमांड के आधार पर नियमित रूप से बारदाने की आपूर्ति की जा रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में खाद्य एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी खरीदी की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज की स्थिति में बस्तर जिले में धान खरीदी के लिए मात्र 243 गठान, बीजापुर में 27, दंतेवाड़ा में 02, कांकेर में 2664, कोण्डागांव में 1059, नारायणपुर में 83, सुकमा में 29, बिलासपुर में 2047, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 531, जांजगीर-चांपा में 494, कोरबा में 317, मुंगेली में 2452, रायगढ़ में 556, सक्ती में 203, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1653, बालोद में 7004, बेमेतरा में 6505, दुर्ग में 3620, कवर्धा में 3998, राजनांदगांव में 4954, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 2579, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में 949, बलौदाबाजार में 4246, धमतरी में 5688, गरियाबंद में 4003, महासमुंद में 8467, रायपुर में 4483, बलरामपुर में 144, जशपुर में 300, कोरिया में 211, सरगुजा में 346 सूरजपुर 244 तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मात्र 149 गठान इस प्रकार कुल 70,250 गठान बारदाने का ही उपयोग धान खरीदी में हुआ है, जबकि उक्त 33 जिलों को 2 लाख 97 हजार गठान अब तक उपलब्ध कराए जा चुके हैं। धान खरीदी के लिए जिलों में अभी भी 2 लाख 27 हजार गठान बारदाने उपलब्ध हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

नेहा भसीन ने शेयर की अपने बर्थडे की तस्वीरें

पंजाबी इंडस्ट्री और बॉलीवुड सिंगर नेहा भसीन आए दिन अपने स्टनिंग और बोल्ड फैशन सेंस के कारण चर्चाओं में रहती हैं। नेहा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर प्यार लूटाते हैं। हाल ही में नेहा भसीन ने अपने बर्थडे की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में नेहा भसीन का बोल्ड ड्रेसअप देख कर फैंस की पलके झपकते नहीं बन रही हैं। नेहा भसीन हमेशा अपने बोल्ड और हॉट अदाओं के चलते हमेशा चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में नेहा भसीन ने अपने थ्रोबैक बर्थडे की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में नेहा भसीन का लुक देख कर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। नेहा भसीन इन तस्वीरों में सिंगल स्ट्रैप व्हाइट कलर का स्टाइलिश डीप नेक टॉप और साथ ही फ्रिल्स टाइप में सकर्ट पहनी हुई है। ओपन हेयर न्यूड मेकअप कर के नेहा भसीन ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। डीप नेक टॉप में क्लीवेज फ्लॉन्ट और साथ ही हाथ में बने टैटू को दिखाते हुए नेहा भसीन ने हॉट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में नेहा भसीन अपने परफेक्ट टोंड थाई फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। नेहा भसीन जब भी अपनी तस्वीरें और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

कांतारा ने छुआ 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा, कर्नाटक में केजीएफ 2 को पीछे छोड़ा

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा को रिलीज हुए सात हफ्ते हो चुके हैं और फिल्म कमाई के मामले में अब भी आगे बढ़ रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर फिर से नया कीर्तिमान रचा है। मंगलवार को खबर आई कि कांतारा ने दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसी के साथ कांतारा केजीएफ- चैप्टर 2 के बाद यह आंकड़ा छूने वाली दूसरी कन्नड़ फिल्म बन गई है।

फिल्म ने इस वीकेंड कमाई के मामले में कर्नाटक में केजीएफ- चैप्टर 2 को पीछे छोड़ दिया है। कर्नाटक में फिल्म ने करीब 168 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार केजीएफ 2 ने कर्नाटक में करीब 115 करोड़ रुपये कमाए थे। मंगलवार को फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े साझा किए। इन आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने उत्तर भारत में करीब 96 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

यह फिल्म कन्नड़ में 30 सितंबर को रिलीज हुई थी। इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में 14 अक्टूबर को रिलीज किया गया। कांतारा का प्लॉट 1847 पर आधारित है। फिल्म मानव और प्रकृति के टकराव की कहानी है। फिल्म में कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों का एक काल्पनिक गांव दिखाया गया है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म आईएमडीबी पर सबसे ज्यादा रेटिंग वाली भारतीय फिल्मों में से एक है। केरल के बैंड थाइकुडम ब्रिज ने फिल्म के खिलाफ कॉपिराइट उल्लंघन का मामला दर्ज किया था। बैंड के मुताबिक वाराह रूपम और उनके गाने नवरसम में काफी समानता है। बैंड का गाना नवरसम 2015 में रिलीज हुआ था। इसके बाद कोझिकोड के जिला न्यायालय ने फिल्म निर्माताओं को सिनेमाघरों समेत सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर वाराह रूपम को तत्काल रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद निर्माताओं को फिल्म से यह गाना हटाना पड़ा।

छोटे बच्चे को न खिलाएं ये चीजें

सेहत को पहुंचा सकती हैं नुकसान

छह महीने के बाद से बच्चों को दूध के साथ-साथ ठोस आहार का सेवन करवाना शुरू कर देना चाहिए, लेकिन कुछ चीजें बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस सूची में गाय का दूध, मीठे व्यंजन, रिफाइंड अनाज और पाश्चुरीकृत जूस आदि चीजें शामिल हैं, जिनका सेवन छोटे बच्चों को करवाना बाल चिकित्सक सही नहीं मानते हैं। आइए जानते हैं कि ये खान-पान की चीजें छोटे बच्चों के लिए क्यों नुकसानदायक हैं।

गाय का दूध

छोटे बच्चों के लिए गाय का दूध पचाना कठिन हो सकता है। वहीं, गाय के दूध में आयरन और विटामिन-श्व जैसे सभी पोषक तत्व भी नहीं होते हैं और एक बच्चे के विकास के लिए इन पोषक तत्वों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एक बार जब आपका बच्चा एक साल का हो जाए तो आप उसे सीमित मात्रा में गाय का दूध पिला सकते हैं।

मीठी चीजें

अपने छोटे बच्चे को मीठी चीजें खिलाने से उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चॉकलेट और कैंडीज आदि के सेवन से बच्चों के दांतों और समग्र स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। शायद आपको न पता हो, लेकिन बच्चे को किसी भी रूप में शहद देने से उसको बोटुलिज्म हो सकता है। अगर आपके बच्चे को मीठा अच्छा लगता है तो आप उसे केले जैसे फल खिला सकते हैं, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

पाश्चुरीकृत फलों का जूस

पाश्चुरीकृत फलों का जूस छोटे बच्चों में मां के दूध की भूख को कम कर सकता है, जो जीवन के पहले वर्ष में उसका मुख्य आहार होना चाहिए। यह जूस इनके दांत खराब करने के साथ-साथ कई पाचन संबंधित समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। छोटे बच्चों को हमेशा घर में बना ताजा फलों का जूस देना ही सही रहता है।

रिफाइंड अनाज

छोटे बच्चों को सफेद चावल और सफेद ब्रेड जैसे रिफाइंड अनाज का अधिक सेवन कराने से उन्हें हृदय रोग, मधुमेह और ट्राइग्लिसराइड्स जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इनकी बजाय छोटे बच्चों की डाइट में साबुत अनाज से युक्त चीजों को शामिल करें। साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं, जो ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त इससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य को बहुत लाभ होता है।

पनीर

अगर आपका बच्चा अभी एक साल का भी नहीं हुआ है तो उसे पनीर न खिलाएं। माना कि पनीर एक स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ है, लेकिन छोटे बच्चों को पनीर का सेवन फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि पनीर में लिस्टेरिया नामक बैक्टीरिया होता है, जो बच्चे के पाचन को प्रभावित कर सकता है। इससे आपके बच्चे को पाचन संबंधी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

लोगों में हैं हृदय संबंधी बीमारियों से जुड़े ये भ्रम, यह है इनकी सच्चाई

विश्व स्तर पर हृदय रोग हर साल 17.9 लाख मौतों का कारण बनता है और इसके जिम्मेदार इलाज को अनेदखा करना और झूठी धारणाएं हो सकती हैं। दरअसल, हृदय संबंधी रोगों को लेकर लोगों में कई ऐसी धारणाएं या भ्रम हैं, जो हृदय रोग से ग्रस्त लोगों के लिए खतरा साबित हो सकती है या फिर शरीर को हृदय रोगों की चपेट में लाने का कारण बन सकती हैं। आइए आज कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई जानें।

भ्रम- अधिक उम्र में होते हैं हृदय संबंधी रोग

यह सिर्फ एक भ्रम है कि हृदय रोग अधिक उम्र के लोगों को ही होता है, जबकि ऐसा नहीं है। हृदय रोग किसी भी उम्र में हो सकता है। असंतुलित जीवनशैली, गलत खान-पान और मोटापा आदि इसका खतरा बढ़ा सकते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, दिल के दौरे के 60 प्रतिशत लोग 50 वर्ष से कम उम्र के होते हैं और 40 प्रतिशत अन्य हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों की उम्र 40 वर्ष से कम होती है।

भ्रम- आनुवंशिक हृदय रोग का इलाज नहीं होता है

कई लोगों का ऐसा मानना है कि आनुवंशिक हृदय रोग का इलाज नहीं होता है, लेकिन यह एक भ्रम से ज्यादा और कुछ नहीं है। अगर आपके माता-पिता को हृदय रोग होने के कारण यह आपको भी है तो इसके जोखिमों को कम करने के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, स्वस्थ भोजन करें, वजन बनाए रखने समेत ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है।

भ्रम- हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण होते हैं

अगर आपका मानना है कि हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण होते हैं तो बता दें कि यह सिर्फ एक भ्रम है। हाई ब्लड प्रेशर एक साइलेंट किलर समस्या है। इससे जुड़े कोई शारीरिक लक्षण हैं और यह कभी भी किसी भी व्यक्ति को दिल के दौरे जैसी बीमारियों की चपेट में ला सकता है। इसलिए समय-समय पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करवाना जरूरी है।

भ्रम- सीने में दर्द होना ही दिल के दौरे का एकमात्र लक्षण है

शायद यह सबसे आम भ्रम है कि सीने में दर्द होना दिल के दौरे का एकमात्र लक्षण है, लेकिन यह सच नहीं है। सीने में दर्द होने के साथ-साथ सांस की तकलीफ, सीने में जलन, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, मतली, उल्टी, पीठ में दर्द, जबड़े में दर्द, चक्कर आना और अत्यधिक थकान आदि भी दिल के दौरे के लक्षण होते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक रहती है।

भ्रम- दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज करना जोखिम भरा हो सकता है

यह भी हृदय स्वास्थ्य से जुड़ा एक आम भ्रम है कि दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज करना जोखिम भरा हो सकता है, जबकि यह एक गलत धारणा है। भले ही कोई भी हृदय रोग हो, उसके जोखिम को कम करने के लिए डॉक्टरी सलाह के अनुसार अपने रूटीन में एक्सरसाइज को शामिल करें। दिन में 30-45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करना सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है।

मध्यप्रदेश है फिल्म निर्माण के लिये है सर्वाधिक फिल्म फ्रेंडली स्टेटः अनुपम खेर

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने कहा है कि मध्यप्रदेश में फिल्म निर्माण के लिये बहुत ही फ्रेंडली वातावरण फिल्म इण्डस्ट्री के लिये है। उन्होंने मध्यप्रदेश में पांच फिल्में शूट की हैं और देश में मध्यप्रदेश को सर्वाधिक फ्रेंडली स्टेट पाया है।

आधिकारिक जानकारी में आज यहां बताया गया कि अभिनेता अनुपम खेर ने गोवा में चल रहे 53वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में कही। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड गोवा में आयोजित फिल्म महोत्सव में सहभागिता कर रहा है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि राज्य में सरकार द्वारा फिल्म निर्माताओं को फिल्म निर्माण के लिये 15 दिन में अनुमति प्रदान की जायेगी। उन्होंने फिल्म इण्डस्ट्री से जुड़े हितधारकों को प्रदेश में शूटिंग के लिये आमंत्रित भी किया। प्रमुख सचिव शुक्ला फिल्म इण्डस्ट्री से जुड़े लोगों को राज्य में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराने के लिये आयोजित सम्मेलन में जानकारी दे रहे थे। इसमें अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी, पंकज त्रिपाठी, रघुवीर यादव, फैजल मलिक, वाणी त्रिपाठी जैसे फिल्मी सितारों की गरिमामय उपस्थिति रही।

प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर ने कहा कि सचमुच में मध्यप्रदेश फिल्म फ्रेंडली स्टेट अवार्ड पाने का हकदार है। प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिये राज्य सरकार द्वारा सभी संभव आवश्यक मदद मुहैया कराई जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य में 5 फिल्में शूट की हैं। ऐसे फिल्म फ्रेंडली स्टेट बहुत कम कम देखे हैं, जहां शासन स्तर पर भी बहुत मदद मिलती है। प्रदेश की फिल्म पॉलिसी काफी सरल है। आशा करते हैं कि हर साल मध्यप्रदेश को ही यह सम्मान मिले।

प्रमुख सचिव शुक्ला ने प्रदेश में फिल्म शूटिंग की संभावनाओं, आकर्षक लोकेशन्स और फिल्म टूरिज्म पॉलिसी के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने, निर्माताओं को अनुदान, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत 15 दिनों के भीतर अनुमति, प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ शूटिंग अनुमति के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम की जानकारी दी।

कार्तिक आर्यन इतने मेहनती हैं कि वह वास्तव में एक उच्च बेंचमार्क सेट करते हैंः अलाया एफ

बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ फ्रेडी के अपने सह-कलाकार कार्तिक आर्यन से वास्तव में प्रभावित हैं, क्योंकि उनका कहना है कि वह बहुत मेहनती हैं और यह उनके लिए एक उच्च मानदंड स्थापित करता है। कार्तिक-अभिनीत फ्रेडी की कहानी एक शमीर्ले, अकेले और सामाजिक रूप से अजीब व्यक्ति डॉ. फ्रेडी गिनवाला की यात्रा के बारे में है, जो अपने लघु विमानों के साथ खेलना पसंद करता है और उसका एकमात्र दोस्त उसका पालतू कछुआ हार्डी है।

यह असामान्य ट्विस्ट, टर्न और भावनाओं की अराजकता से भरी है। अलाया एफ, जो फ्रेडी के साथ अपनी दूसरी फीचर फिल्म कर रही हैं, ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, कार्तिक के साथ काम करना न केवल समग्र रूप से एक अद्भुत अनुभव था, बल्कि मुझे लगता है कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा भी है।

वह अपनी फिल्मों के लिए इतनी ऊर्जा और उत्साह रखते हैं।उन्होंने आगे कहा, वह इतने प्रेरित और इतने मेहनती हैं कि यह वास्तव में एक उच्च बेंचमार्क सेट करता है। उन्हें काम करते हुए और उनके साथ काम करते हुए देखकर मेरे मूल विश्वास की पुष्टि हुई, कि यदि आप अपने काम के प्रति जुनूनी हैं और यदि आप लगातार कड़ी मेहनत करते हैं, तो कुछ भी नहीं रोक सकता है।

आपको वह सब कुछ हासिल करने से जो आप चाहते हैं और इससे भी ज्यादा।बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड, एनएच स्टूडियोज और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स द्वारा निर्मित, शशांक घोष द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जिला स्तरीय छत्तीसगढिया ओलम्पिक का शुभारंभ 28 को

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने युवा महोत्सव एवं छत्तीसगढिया ओलम्पिक के तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढिया ओलम्पिक के जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ 28 नवम्बर 2022 को सुबह 11 बजे ठाकुर प्यारे लाल सिंह स्कूल मैदान में किया जाएगा। 29 नवम्बर 2022 को शाम 4 बजे छत्तीसगढिया ओलम्पिक के जिला स्तरीय कार्यक्रम का समापन होगा। उन्होंने विकासखंड स्तरीय युवा महोत्सव के लिए 29 नवम्बर 2022 तथा 30 नवम्बर 2022 को आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री खेमलाल वर्मा, खेल अधिकारी श्री ए एक्का एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि युवा महोत्सव का आयोजन विकासखंड स्तर, जिला स्तर, संभाग स्तर एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। युवा वर्ग में 15 से 40 वर्ष तक एवं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए 18 विधाओं लोक नृत्य, लोक गीत, एकांकी नाटक (हिन्दी,कुचीपुड़ी (शास्त्रीय नृत्य) एवं वक्तृत्व कला (शास्त्रीय नृत्य) में कलाकार प्रस्तुति दे सकेंगे।

नरवा विकास योजना से जल संरक्षण, फसल उत्पादन और सिंचाई क्षमता में हो रही बढ़ोतरी

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सुराजी योजना के तहत जिले में नरवा विकास के कार्यों के सकारात्मक परिणाम लगातार दिखाई दे रहे हैं। नरवा विकास योजना से जल संरक्षण, फसल उत्पादन और सिंचाई क्षमता में बढ़ोतरी हो रही है। योजना अन्तर्गत झोंका नाला के उपचार से 14 हेक्टेयर में सिंचाई रकबा बढ़ गया है। नाले के उपचार से 3 गावों के 175 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। नाला उपचार के कार्यों से ग्रामीणों को गांव में ही काम मिला है। मनरेगा के माध्यम से नाला उपचार के कार्यों से पांच हजार 65 रोजगार दिवस का सृजन हुआ है। जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत झोंका नाला में जल संरक्षण एवं संवर्धन की विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है। जिससे क्षेत्र में सिचाई रकबा बढ़ गया है। सिंचाई सुविधा मिलने से किसान अब वर्ष में दो फसल ले रहे हैं। किसान अब धान के साथ ही गेहूं सब्जी का उत्पादन भी करने लगे हैं।

दुर्ग विश्वविद्यालय में हमर छत्तीसगढ़ पर केन्द्रित भव्य प्रदर्शनी उद्घाटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं धरोहर हर दृष्टि से उत्तम है। हमें छत्तीसगढ़ी स्वाभिमान की रक्षा हेतु हर संभव प्रयास करना चाहिए। ये उद्गार इंदिरा कला संगीत विष्वविद्यालय, खैरागढ़ की कुलपति, डॉ. ममता चन्द्राकर ने आज व्यक्त किये। डॉ. ममता आज हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग में ''हमर छत्तीसगढ़'' पर केन्द्रित भव्य प्रदर्षनी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्गार व्यक्त कर रही थीं।

डॉ. चन्द्राकर ने कहा कि हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित हमर छत्तीसगढ़ पर केन्द्रित प्रदर्षनी हमारे युवा पीढ़ी के लिए ज्ञान का भंडार सिद्ध होगी। इस भव्य आयोजन के लिए उन्होंने हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग की कुलपति, तथा पूरे प्रषासन को बधाई दीं। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हेमंचद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने कहा कि विष्वविद्यालय द्वारा लगायी गई इस प्रदर्षनी का मुख्य उद्देष्य एक ही छत के नीचे विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ से संबंधित समस्त जानकारी उपलब्ध कराना था।

इस प्रदर्षनी में विष्वविद्यालय से सम्बद्ध 25 महाविद्यालयों के लगभग 100 से अधिक प्राध्यापक तथा 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ी राज्यगीत अरपा पैरी के धार एवं विष्वविद्यालय के कुलगीत के प्रस्तुतिकरण के साथ आरंभ हुए उद्घाटन समारोह का संचालन करते हुए विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाष डालते हुए प्रदर्षनी के स्टॉल का विस्तार से वर्णन किया। कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप ने अपने स्वागत भाषण में इस प्रदर्षनी को विष्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर करार दिया। इस अवसर पर हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्पधाओं में क्रमषः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 15000/-, 12000/- एवं 8000/- नकद राषि, मैडल तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रदर्षनी के दौरान राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध वाद्यवादक रिकी क्षत्रिय ने वाद्ययंद के माध्यम से जगली जानवरों को आवाज का प्रस्तुतिकरण किया। मुख्य अतिथि डॉ. ममता चन्द्राकर का सम्मान विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा एवं विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्यों ने स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंटकर किया।

प्रदर्शनी में प्राचार्यों, प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। प्रदर्षनी के दौरान छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खेल-कूद, खान-पान, औद्योगिक नीति, उच्च षिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, वन, जलासय, धार्मिक स्थल, व्रत एवं त्यौहार, व्यंजन, वेषभूषा आदि पर केन्द्रित स्टॉल ने दर्षकों का मनमोह लिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया।

छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

ग्रामीण एवं परम्परागत खेलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से किया छत्तीसगढ़िया खेल एवं संस्कृति को जीवंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद के सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में 22 नवम्बर से 24 नवम्बर तक आयोजित 03 दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में छत्तीसगढ़िया खेलों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की परम्परा एवं लोक संस्कृति की भी छटा देखने को मिला। इस तीन दिवसीय आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने अपने बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर इस जिला स्तरीय आयोजन को यादगार बना दिया।

इस आयोजन में जिले के हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों के गेड़ी दौड़, फुगड़ी, बिल्लस, पिट्ठुल आदि छत्तीसगढ़िया एवं परम्परागत खेलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से छत्तीसगढ़िया खेल एवं लोक संस्कृति जीवंत हो उठा। इस आयोजन में खासकर के कामकाजी ग्रामीण बुजुर्ग महिला एवं पुरूषों ने अपने व्यस्ततम कार्यों के बावजूद छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में बेहतरीन प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि उनकी भूमिका केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है। यदि उन्हें अवसर मिले तो वे अन्य क्षेत्रों में भी सफलता के झण्डे गाड़ सकते हैं। इस आयोजन में कामकाजी बुजुर्ग महिलाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहा। जिला मुख्यालय के सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में छत्तीसगढ़िया ओलम्कि का आज सफल समापन किया गया। समापन समारोह जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री मिथिलेश निरोटी एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा जिला स्तरीय आयोजन के विजेताओं एवं अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा प्रदेश के युवाओं को छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेलों से जोड़ने तथा उनकी खेल प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएँ दी तथा विजेता प्रतिभागियों को प्रदेश स्तर पर जीत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उल्लेखनीय है कि जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में महिला एंव पुरूष वर्ग के लिए 0 से 18 वर्ष, 18 वर्ष से 40 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें खो-खो, बिल्लस, फुगड़ी, संखली, गिल्ली डंडा, पिट्ठुल, बांटी, भौंरा खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को गोल्ड मैडल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को सिल्वर मैडल, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी तरह प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

इस दौरान उप संचालक पंचायत श्री आकाश सोनी, जिला खेल अधिकारी श्री नरेन्द्र ठाकुर, स्कूल शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी श्री किशोर मेहरा सहित अधिकारी, कर्मचारी, प्रतिभागी खिलाड़ियों के अलावा बड़ी संख्या में खेल प्रेमीजन उपस्थित थे।

००००

भाजपा प्रत्याशी की छवि खराब करने के विरोध में मुख्यमंत्री एवं मोहन मरकाम का युवा मोर्चा द्वारा पुतला दहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। भारतीय जनता युवा मोर्चा के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष मा. रवि भगत जी के निर्देशानुसार कोंडागांव जिला के शहर मंडल कोंडागांव के युवा मोर्चा के द्वारा भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव के क्ष्छ्ध्क प्रत्याशी ब्रम्हानंद नेताम जी के ऊपर झूठा बेबुनियाद चारित्रिक आरोप लगाकर,प्रदेश में आदिवासी अस्मिता को मजाक बनाकर मुख्यमंत्री भुपेश बघेल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम को मोहरा बना कर एक बहुत ही गंदा मजाक किया है इसका पुर जोर से विरोध करते हुए शहर मंडल कोंडागांव भाजयुमो के द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवम प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम का कोंडागांव बसस्टेंड में पुतला दहन किया गया।

इसमें विरोध प्रदर्शन में मुख्यरूप से जिलाध्यक्ष दीपेश अरोरा, जसकेतु उसेंडी,लक्ष्मी ध्रुव, जितेंद्र सुराना, जैनेंद्र ठाकुर,कुलवंत चहल, रौनक पटेल,नागेश देवांगन, बालसिंह बघेल,बंटी नाग,राम सलाम, अभिनेत्रसिंह, संतोष नाग, टिंकू साहू,संतोष सिंह, हनी दुआ, रविंद्र नाग, करुण नाइक,महेंद्र पारख, अंकित राजपूत,योगेंद्र नेताम, सनिल भंसाली,दिलावर कपाड़िया, बाबा खान,राकेश देवांगन, धनसुदास राजेंद्र शर्मा शीतल पटेल मिथलेश सेन,अनिल यादव एवम अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

आयुक्त ने दिया अल्टीमेटम: 24 घंटे के भीतर कर्मचारियों को भुगतान नहीं किया तो लाभांश राशि होगा राजसात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। सफाई कर्मियों के वेतन भुगतान नहीं किए जाने के मामले में नगर पालिक निगम रिसाली के आयुक्त ने कठोर अल्टीमेटम मेसर्स पी. वी. रमन को दिया है। आयुक्त ने सफाई मित्रों का भुगतान 24 घंटे के भीतर करने कहा है। अन्यथा रिसाली नगर पालिक निगम लाभांश राशि को राजसात करेगा।

उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम रिसाली की सफाई व्यवस्था मेसर्स पी. वी. रमन को दिया गया है। एजेंसी ने क्षेत्र की सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था करने सफाई मित्र रखा हुआ है, किन्तु सितम्बर पेड अक्टुबर का वेतन अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। इसी बात को लेकर सफाई मित्र आयुक्त को 2 दिन पूर्व ज्ञापन भी सौंपा था। ठेकेदार द्वारा 2 दिन बाद भुगतान नहीं करने पर सफाई मित्र गुरूवार को आंदोलन करने आमदा हो गए, हालांकि समझाईश के बाद सफाई मित्र जैसे तैसे वापस हुए इसे गंभीरता से लेते हुए आयुक्त आशीष देवांगन ने 24 घंटे की मोहलत देते हुए नोटिस जारी किया।

जाने नोटिस में क्या

आयुक्त ने कड़े शब्दों में कहा कि सफाई कार्य का मासिक भुगतान 16 नवम्बर 2022 को किया जा चुका है, किन्तु 8 दिन व्यतित हो जाने के बावजुद प्लेसमेंट सफाई मित्रों का वेतन भुगतान नहीं किया गया है। आयुक्त ने कहा कि सफाई कर्मियों का पारिश्रमिक भुगतान 24 घंटे के भीतर नहीं होने पर कर्तव्य के प्रति लापरवाही मानते हुए लाभांश राशि को राजसात किया जाएगा। साथ ही ठेका अनुबंध अविलंब निरस्त कर फर्म का नाम काली सूची में दर्ज किया जाएगा।

नोटिस में नियमित वेतन करने दिया निर्देश

उल्लेखनीय है कि अनुबंध के मुताबिक फर्म को श्रमिकों का वेतन हर माह के 10 तारिख तक किया जाना है। इसके बाद भी मेसर्स पी. वी. रमन नियमों का उल्लंघन लगातार कर रहा है। आयुक्त आशीष देवांगन ने नोटिस में स्पष्ट निर्देश दिए है कि अनुबंध शर्तो का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए।

प्रियंका सिंह के लिए इंसाफ की मांग, कैंडल मार्च कर दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीते दिनों बिलासपुर में हुई भिलाई की बेटी की हत्या को लेकर आक्रोश है। क्षत्रिय समाज में इस हत्याकांड के आरोपी को फांसी देने की मांग तेजी से उठ रही है। गुरुवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा तत्वाधान में पार्षद दया सिंह के नेतृत्व में महाराणा प्रताप चौक सेक्टर-7 में कैंडल मार्च कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौके पर मौन धारण भी किया गया। इस मौके पर प्रियंका सिंह के कातिल को फांसी की सजा देने की मांग की गई।

पार्षद दया सिंह ने बताया कि भिलाई की बेटी व क्षत्रिय समाज की होनहार बेटी का कत्ल करने वाले आरोपी आशीष साहू को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। समाज की होनहार बेटी जो सिविल सर्विसेस की तैयारी कर रही थी उसकी हत्या करने वाले आरोपी को फांसी की सजा ही मिलनी चाहिए।

पूरे समाज व भिलाई के लोगों की यही मांग है। दया सिंह ने बताया कि प्रियंका सिंह को इंसाफ दिलाने के लिए क्षत्रिय समाज एकजुट है और रविवार को सिविक सेंटर भी कैंडल मार्च का कार्यक्रम रखा गया है।

श्रमदान कर गांव के लोग खेतों से गौठान पहुंचा रहे पैरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने जिले के किसानों से अधिक से अधिक पैरा दान करने की अपील की है ताकि गौठनों में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। उन्होंने पैरा को अपने नजदीक के गौठान में दान करने का आग्रह किया है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे पैरा दान महा अभियान में संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी तत्परता से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि खेतों में पड़े फसल के अवशेष को जलाने से होने वाले प्रदूषण देश भर में एक समस्या के तौर पर देखा जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य में शासन और जनता के परस्पर समन्वय ने इस समस्या का समाधान ढूंढ निकालना संभव प्रतीत हो रहा है। धान की फसल काटने के बाद बचे पैरा को लोग गौठानों में दान कर रहे है। पैरा दान के इस महाअभियान में आम लोगों के साथ साथ, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी अपना योगदान दे रहे है। कलेक्टर डॉ भुरे ने कहा कि राज्य शासन ने पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सुराजी गांव योजना के तहत गौठान बनाए है। इनमे पशुओं के लिए चारे एवं पानी का निःशुल्क इंतजाम गौठान समितियों द्वारा किया जाता है । पशुधन के लिए गौठान में सूखे चारे का पर्याप्त व्यवस्था हो जाने से समितियों को आसानी होगी। राज्य शासन के पहल पर लोगों ने श्रम दान कर गौठानों तक पैरा पहुंचाया है।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नहर में गिरी अनियंत्रित हाइवा चालक की मौत, धमतरी से गुंडरदेही जा रही थी हाइवा

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया है। यहां के रनचिरई थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई जिसकी वजह से चालक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है। वहीं पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा रनचिरई थाना क्षेत्र के फुंडा नहर का है। धमतरी से गुंडरदेही की ओर जा रही हाइवा फुंडा नहर में गिर गई। इसके कारण हाइवा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक चालक की पहचान झाड़सी थाना सेलु जिला वर्धा महाराष्ट्र निवासी दामोदर कटरे के रूप में हुई है। शव का पंचनामा के बाद पीएम के लिए भेज दिया गया। वहीं हादसे की सूचना में मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

सुपेला लक्ष्मी नगर मार्केट में बिजली के खंबे पर लगी आग चपेट में आया दुकान

भिलाई। सुपेला लक्ष्मी मार्केट में बिजली के खंबे पर आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना गुरुवार शाम की है। शॉर्ट सर्किट के बाद चिंगारी निकाली और देखते ही देखते आग फैलने लगा। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई है और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि पोल में आग लगने के बाद इसकी पीछे की दुकान तक फैलने लगी थी। हादसा सुपेला लक्ष्मी नगर मार्केट के भिलाई नर्सिंग होम के पीछे हिस्से में दुकान के पास का है। खबर लिखे जाने तक फायर बिग्रेड की टीम पहुंच चुकी थी और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

ऑनलाइन सट्टा कारोबार के खिलाफ दुर्ग पुलिस का एक्शन

महादेव बुक व बीबीबी बेट के 18 सटोरिए पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला पुलिस व एंटी क्राइम व साइबर यूनिट ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन सट्टे के बड़े नेटवर्क को तोड़ा है। पुलिस ने इस मामले में 18 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महादेव बुक, रेड्डी अन्ना एवं अंबानी ऑन-लाईन सट्टा एप से ऑनलाइन जुड़े इन आरोपियों से बड़ी मात्रा में लैपटॉप व मोबाइल फोन बरामद किया है।

दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने इस मामले में बताया कि एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट व थाने की टीम को भोपाल (मध्यप्रदेश) में पारस अर्बन सोसायटी अरेरा कालोनी व तिलक नगर के दो अलग-अलग मकानों में, दुर्ग-भिलाई के व्यक्तियों द्वारा ऑन लाईन सट्टा महादेव एप्प के संचालन की सूचना मिली थी। इसके बाद एक विशेष टीम भोपाल मध्यप्रदेश के लिये रवाना की गई। सूचना के आधार पर पारस अर्बन अरेरा कॉलोनी अपोलो हॉस्पिटल के पास एक मकान में दबिश देकर ऑन-लाईन सट्टा रेड्डी अन्ना 5556 ब्रांच का संचालन कर रहे 08 व्यक्तियों को पकड़ा गया। उक्त ब्रांच के आरोपियों के कब्जे से 04 नग लेपटॉप, 21 नग मोबाईल जब्त किया। इसके अलावा तिलक नगर दुर्गा मंदिर के सामने भोपाल में महादेव ब्रांच एवं बीबीबी बेट भाई 09 ब्रांच का संचालन कर रहे 10 आरोपियों को पकड़ा गया। उक्त बांच के आरोपियों के कब्जे से 08 नग लेपटॉप, 20 नग मोबाईल जप्त किया गया जो कि ऑन लाईन सट्टे के कारोबार में उपयोग में लाया जा रहा था। हिरासत में लिये गये व्यक्तियों पर वैधानिक कार्यवाही थाना सुपेला से की जा रही है।

पुलिस ने इस मामले में रवि देवांगन कैलाश नगर बिरगांव रायपुर, रोहित साहू सुभाष चौक कैम्प 1 भिलाई, दीपिल सैनी पिता श्रीधर प्रसाद सैनी निवासी पटेली थाना सिविल लाईन सतना, देवेन्द्र यादव दाऊपारा मुंगेली, पप्पू वर्मा राजेन्द्र नगर उरला रायपुर, रविकांत प्रसाद, राधिका नगर उरला रायपुर, अक्षय अर्नाल्ड संत रविदास नगर कैम्प 2 भिलाई व रोशन कुमार अछोली मार्केट उरला रायपुर शामिल हैं। इसी प्रकार महादेव ब्रांच एवं बीबीबी बेट भाई के 9 ब्रांच से लवप्रीत सिंह जोन 3, खुर्सीपार, विकास शाह जोन 2 खुर्सीपार, अनिल लुकुंद रामनगर सुपेला, शुभम साहू कोनी बिलासपुर, विवेक सिंह सोनारी झारखण्ड, श्रीकांत देशमुख रामनगर, सलमान सिद्धिकी, अजय पासवान कैम्प 1 वृंदानगर सुमित मोहन नगर दुर्ग व पीनेश साहू भोईनापार लाटाबोर्ड बालोद को गिरफ्तार किया गया है।

उक्त कार्यवाही में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट से सउनि शमित मिश्रा, प्रआ संतोष मिश्रा, चंद्रशेखर वंजीर, सत्येन्द्र मढ़रिया, आरक्षक जगजीत सिंह, पंकज चतुर्वेदी, भावेश पटेल, नरेन्द्र सहारे, पन्ने लाल, अरविन्द मिश्रा, रिन्कू सोनी, विक्रान्त यदु, थाना सुपेला से प्रआ आरक्षक संतोष शर्मा एवं आरक्षक सुरेन्द्र पटेल का सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग के बाद अब बिलासपुर में पकड़ाए महादेव के सटोरिए, 2.47 लाख कैश के साथ 6 लैपटॉप व 10 मोबाइल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। महादेव बुक आईडी से सट्टा का कारोबार पूरे प्रदेश को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। दुर्ग के बाद बिलासपुर पुलिस ने भी ऑनलाइन सट्टा कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी पारुल माथुर के निर्देश पर बिलासपुर के तोरवा पुलिस ने देवरी खुर्द के बूटापारा से 7 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। खासबात यह है कि इसका भी लिंक दुर्ग से जुड़ा हुआ है। पकड़े गए सटोरियों में दो दुर्ग के हैं और इनका सरगना भी दुर्ग से ही है जो फरार बताया जा रहा है। पुलिस ले सटोरियों के पास से 2 लाख 47 हजार रुपए कैश के साथ ही 6 लैपटॉप व 10 मोबाइल जब्त किया है। साथ ही पुलिस को लाखों के लेनदेन का रिकार्ड भी मिला है।

मिली जानकारी के अनुसार ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ कार्रवाई की कड़ी में तोरवा पुलिस को पता चला कि देवरीखुर्द के बूटापारा में एक दफ्तर है जहां कुछ संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही है। सूचना के बाद मौके पर तोरवा थाना प्रभारी फैजूल शाह अपनी टीम के साथ पहुंचे तो कुछ युवक लैपटॉप काम कर रहे हैं। इसके बाद मौके पर दबिश देकर मुंगेली के जरहागांव निवासी युगल साहू को गिरफ्तार किया गया। इसके द्वारा यहां के पूरे नेटवर्क का पता चला। पूछताछ में युगल ने बताया कि यह पूरा नेटवर्क दुर्ग के बुकी मनीष सोनवानी का नाम बताया। इसके बाद पुलिस ने मनीष सोनवानी को पकड़ने का प्लान बनाया और युगल से उसकी फोन पर बात कराई। इस दौरान युगल ने पकड़े जाने और उसके बाद पुलिस द्वारा उसे छोड़ दिए जाने की जानकारी दी। इसके बाद मनीष ने पुरानी आईडी का पुलिस को पता चल जाने की बात कहकर लैपटॉप जमा कराने कहा। इसके बाद योजना के अनुसार बिलासपुर पुलिस युगल के साथ दुर्ग पहुंची और जैसे ही मनीष लैपटॉप लेने पहुंचा पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

इसके बाद पुलिस ने एक एक कर पांच अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मुंगेली के धरमपुरा निवासी चन्दन साहू (26), दुर्ग के अरसी क्षेत्र के बोरी निवासी हेमराज निषाद(24), बेमेतरा बेरला के दबलघोर निवासी चिरंजीव निषाद (22), दुर्ग के अरसी के बोरी निवासी अनिल कुमार निषाद (24) और दुर्ग के बोरी के लिटिया निवासी खोमलाल वर्मा (19) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह पूरा नेटवर्क दुर्ग निवासी मनोज सोनी चला रहा है। फिलहाल मनोज सोनी फरार बताया जा रहा है।

दो अंतरराजिया गांजा तस्करों को 9 किलो गांजा के साथ कोंडागांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोंडागांव। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कोंडागांव में पुराने प्रकरण में न्यायालय पेशी में आये महाराष्ट्र के वर्धा जिले के दो गांजा तस्कर उड़ीसा से गांजा लाने के बाद कोंडागांव आने के लिये ग्राम बड़े कनेरा के ड्राल चौक के पास खड़े है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों का अवगत कराने बाद गांजा तस्करों के भाग जाने की आशंका पर कोंडागांव पुलिस के द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुये मौके पर जाकर घेराबंदी कर उक्त गांजा तस्करों को धर दबोचा गया, जिनका नाम नरेष मोहिते पिता वैकटराव और हरीष मोहिते पिता वैंकटराव निवासी वर्धा महाराष्ट्र है। आरोपियों के पास से झोले में रखे 05 पैकेट में कुल 9 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद कर जप्त किया गया। मामले में धारा 20 बी नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

उक्त संपूर्ण कार्यवाही निरी. भीमसेन यादव, उपनिरीक्षक कैलाष केषरवानी, प्रधान आर. 90 नरेंद्र देहरी, प्रआर. 89 हेमूराम साहू, आर. 839 लोकेष सोरी थाना कोंडागांव द्वारा की गई।

सगे भाई की हत्या कर दो माह से फरार था आरोपी, पुलिस ने झारखंड से किया गिरफ्तार, मामूली विवाद में की थी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले में हत्या के एक मामले में फरार आरोपी को जशपुर पुलिस झारखंड से गिरफ्तार कर लेकर पहुंची। आरोपी हत्या के बाद पिछले दो माह से फरार था। पुलिस को आरोपी के झारखंड में होने का इनपुट मिला था इसके आधार पर एक टीम को मौके पर रवाना किया गया और आरोपी सूरजन राम को गिरफ्तार कर लाया गया। जशपुर के दुलदुला पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

बता दें हत्या की यह वारदात दो माह पहले की है। गिरधारी यादव 17 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई कि 16 सितंबर की रात को गांव के समरू राम एवं सूरजन राम के बीच घर-जमीन की बात को लेकर विवाद हो रहा था। इस दौरान सूरजन राम ने टांगी मारकर अपने भाई समरू राम की हत्या कर दी। घटना के बाद सूरजन राम फरार हो गया। इस मामले में सुरजन राम पर हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही थी।

जांच के दौरान मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि फरार आरोपी सूरजन राम सिमडेगा (झारखंड) क्षेत्र के ग्राम परसा में रह रहा है। सूचना पर तत्काल थाना दुलदुला से पुलिस टीम मौके पर जाकर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने पुराने घर एवं जमीन का बात को लेकर हमेशा अपने बड़े भाई से विवाद होता था तो वह गुस्से में आकर अपने बड़े भाई की हत्या करना बताया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टांगी को जब्त कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

थाना के अंदर जनपद सदस्य पर चाकू से हमला

बालौदाबाजार। जनपद सदस्य व कांग्रेस नेता पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना बलौदाबाजार जिले के कसडोल थाना की है। जहां थाना परिसर के अंदर ही भीड़ का फायदा उठाते हुए अज्ञात आरोपी ने कांग्रेस नेता योगेश बंजारे पर चाकू से हमला कर दिया। जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बुधवार शाम की है।

कसडोल जनपद पंचायत में अध्यक्ष पद चुनाव के बाद बीजेपी और कांग्रेस पार्टी के समर्थकों के बीच बुधवार शाम को किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों बीच जमकर गाली गलौज व धक्का-मुक्की हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष कसडोल थाना पहुंच गए। इसी बीच भीड़ में ही अज्ञात व्यक्ति ने जनपद सदस्य व कांग्रेस नेता योगेश बंजारे पर चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी की घटना के बाद थाने परिसर से आरोपी फरार हो गया।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, शिवनाथ मंडल, दुर्ग (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र. 114530/निविदा सूचना क्र.18/वलेलि/2022-23 दुर्ग, दिनांक 23/11/2022
निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 14.12.2022 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-
कार्य का नाम :- दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग की तान्दुला परियोजना अंतर्गत उमरपोटी माईनर का जीर्णोद्धार कार्य साथ ही 07 नग इनलेट, 04 नग व्ही.आर.बी. एवं 18 नग आउटलेट निर्माण।
अनुमानित लागत :- रू. 127.55 लाख
(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 01.08.2014 के अनुसार)
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 30.11.2022 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।
नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मंडल
दुर्ग (छ.ग.)
जी-96095/4

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

आईटीआई में नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, दुर्ग में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत कुल 90 अभ्यार्थियों को शॉट-टर्म कोर्स का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा। जिसमें डाटा एंट्री ऑपरेटर, इलेक्ट्रिकल विंडर एवं असिसटेंट इलेक्ट्रीशियन व्यवसायों हेतु क्रमश: 30-30 सीटे आबंटित हैं। प्रतिदिन 4 घंटे अनुसार प्रशिक्षण कुल 400 घंटे में पूर्ण किया जावेगा। इच्छुक आवेदक 30 नवंबर 2022 तक संस्था में आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पंजीयन करावें।

संभाग स्तरीय भाषण एवं इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता आज

दुर्ग। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्ययनरत युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने एवं मतदाता जागरूकता बढ़ाने हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थानों में स्वीप कार्यक्रम के तहत राज्य के समस्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों हेतु चार स्तरीय भाषण एवं इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में संभाग स्तरीय अंतर जिला प्रतियोगिता 25 नवबंर 2022 को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में आयोजन किया जाएगा। जिसमें दुर्ग संभाग से कुल 15 प्रतिभागी जो जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता रहें है, शामिल होंगे। जिला स्तरीय अंतरमहाविद्यालय भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 14 नवबंर 2022 किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ मीना मान, स्वीप नोडल अधिकारी एवं शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय से सभी विभाग के प्रध्यापकगण सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। राज्य स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता हेतु सूचना पृथक से जारी किया जाएगा।

प्रशिक्षु आयुक्त पहुँचे गोकुल नगर गौठान, निरीक्षण कर लिया जायजा

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमान्तर्गत पुलगांव गोकुल नगर स्थित गौठान पहुच दिवस कार्यक्रम में प्रशिक्षु आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी ने अधिकारियों के साथ गोकुल नगर पहुंचे। इस दौरान कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे, कार्यपालन अभियंता एसडीशर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,,विनोद मांझी के साथ उन्होंने सम्पूर्ण गौठान का भ्रमण कर सभी उत्पादों का बारिकी से अवलोकन किया।उन्होंने गोबर से बनने वाले वर्मी खाद की प्रक्रिया, पीठ की संख्या, गोबर खरीदी की जानकारी ली। इस मौके पर प्रशिक्षु आयुक्त ने सुझाव दिया कि खाद उत्पाद के लिए तैयार गोबर की छनाई में सुधार कर खाद की गुणवत्ता बढ़ेंगे। उन्होने महिला स्व सहायता समूह द्वारा गौठान में तैयार किये जा रहे अगरबत्ती ,मशरूम उत्पादन आदि की जानकारी ली। उन्होंने गोबर से बनाने वाले अन्य उत्पाद की जानकारी ली तथा आय-व्यय पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होने कहा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा के अनुरूप गौठान को संचालित करने तथा गौठान के हर क्षेत्र का अच्छे से उपयोग कर मुर्गी पालन, बतख पालन,दूध उत्पादन जैसे कार्य भी किये जा रहे है। गौठान में कार्यरत कल्याणी महिला स्व सहायता समूह को घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देने लगातार विभिन्न कार्य किए जा रहे है।नोडल अधिकारी ने गौठान के संबंध में स्व सहायता समूह व गौठान संचालक गायत्री डोटे एवम सदस्यो से चर्चा कर जानकारी ली।

निगम को नहीं पता क्यों फैल रहा डायरिया कारण जानने महापौर ने बनाई कमेटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में डायरिया का प्रकोप है और नगर निगम को यह तक पता नहीं है कि डायरिया क्यों फैल रहा है। बुधवार को महापौर नीरज पाल स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने गए लेकिन उन्हें पता नहीं चला कि डायरिया फैलने का कारण क्या है। गुरुवार को महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में हुई महापौर परिषद् की बैठक में कैंप क्षेत्र के जेपी नगर, वृंदा नगर, संतोषी पारा सहित अन्य क्षेत्रों में डायरिया फैलने का कारण जानने के लिए नौ सदस्यों की समिति का गठन किया जो 10 दिनों में इस संबंध में रिपोर्ट सबमिट करेगी।

नगर पालिक निगम महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्ष एवं आयुक्त रोहित व्यास, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मी पति राजू, संदीप निरंकारी, सीजू एन्थोनी, एकांश बंछोर, केशव चौबे, आदित्य सिंह, चन्द्रशेखर गंवई, श्रीमती रीता गेरा, नेहा साहू, मालती ठाकुर की उपस्थिति में हुआ। बैठक में निगम क्षेत्र के डायरिया प्रभावित बस्तीयों में डायरिया फैलने के कारणो को जानने के लिए एक नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया। इनके लिए जांच के बिंदु भी निर्धारित किए गए हैं। जिसमें बिछाई गई पाइप लाइन सहित अन्य बिन्दुओं को शामिल किया गया। खासबात यह है कि डायरिया प्रभावित क्षेत्र का एक दिन पहले ही महापौर नीरज पाल कलेक्टर व आयुक्त के साथ दौरा करने गए थे।

महापौर परिषद की बैठक में 14वें वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्रं. 26 एवं 27 के ब्लॉक 01 से 21 एमआईजी-सी 2306 के सामने होते हुए गुरूद्वारा हाउसिंग बोर्ड एचआईजी 2194 के सामने सम्पूर्ण एरिया एवं एमआईजी-2962 के सामने संपूर्ण एरिया एवं जामुल थाना अटल चौंक से बुद्व बिहार होते हुए एकता चौंक तक सीमेंटीकरण कार्य के लिए एक करोड रुपए की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई है, लेकिन उक्त सड़क निर्माण कार्य सीएम घोषणा अंतर्गत संपादित किया जा रहा है।

उक्त कार्य का स्थल परिवर्तन की अनुशंसा करते हुए राज्य शासन से अनुमति प्राप्त करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर राजस्व वसूली हेतु आरएफ्पी बिड में श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टे. रांची कम्पोजिट स्कोर अधिक होने से उसके द्वारा प्रस्तुत दर पर कार्य कराये जाने निविदा निष्पादन कार्यादेश जारी करने की अनुशंसा महापौर परिषद द्वारा प्रदान की गई है।

आयुक्त रोहित व्यास ने किया भ्रमण

भिलाई । नगर निगम क्षेत्र के वृन्दानगर, जे.पी.नगर, शारदा पारा, आदर्श पारा, संतोषी पारा, बैकुण्ठधाम क्षेत्र का आयुक्त रोहित व्यास ने भ्रमण किया अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लिए और अस्पताल प्रबंधन को स्वच्छता तथा दवाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। आयुक्त श्री व्यास शासकीय अस्पताल सुपेला में इलाज हेतु भर्ती मरीजों से मिल कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली अस्पताल का भ्रमण कर स्वच्छ पानी की व्यवस्था करने अस्पताल को स्वच्छ रखने तथा दवाई की पर्याप्त मात्रा रखने के निर्देश दिये है, उन्होने बी.एम.शाह अस्पताल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बैकुण्ठधाम पहुँच कर भी मरीजों से मिले श्री व्यास ने मरीजो से तथा आम नागरिकों से अपील किये है, कि पानी को उबाल कर पश्चात ठंडा कर पीये तथा गरम व ताजा भोजन ग्रहण करे। उल्टी या दस्त होने पर डाक्टर से परामर्श लेकर दवा लेवे। आयुक्त श्री व्यास ने प्रभावित सभी बस्ती में पेयजल आपूर्ति टेंकर से करने तथा पेयजल आपूर्ति हेतु बिछाई गई पाईप लाईन की जॉच कर क्षतिग्रस्त पाईप को बदलने के निर्देश जोन आयुक्त को दिये है। उन्होने पानी टंकी की सफाई करवाने के निर्देश भी जोन आयुक्त एवं कार्यपालन अभियंता जल कार्य को दिये है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बस्तीयों के नाली की सफाई के साथ क्लोरिन टेबलेट का वितरण घर-घर दस्तक देकर प्रभावित परिवार की पहचान कर दवा का वितरण किया जा रहा है। चलित मेडिकल यूनिट की तीन गाडियों से प्रभावित बस्तीयों में लगा कर ईलाज किया जा रहा है तथा प्रति दिन प्रत्येक जोन से 20-20 स्थलों से पानी की सेंपल लेकर जॉच हेतु भेजा जा रहा है।

भिलाई में डायरिया : कैंप क्षेत्र में सुबह-सुबह मितानिनों का दौरा, घर-घर जाकर लिया पानी का सैंपल

भिलाई। नगर निगम भिलाई के कैंप क्षेत्र में डायरिया का डर लोगों के दिलो दिमाग में घर कर गया है। यहां गंदे पानी की सप्लाई से लेकर बदहालह सफाई व्यवस्था के कारण लगातार डायरिया के मरीज सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को निगम क्षेत्र के कार्यरत मितानिनों ने कैंप के डायरिया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और घर-घर पहुंचकर पानी का सैंपल लिया। सैंपल की लैब में जांच कराई जाएगी और उसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को सौंपेंगे। बता दें कैंप क्षेत्र में इन दिनों डायरिया का प्रकोप है। डायरिया के कारण एक युवक व बच्चे की मौत होने के बाद निगम व जिला प्रशासन के जिम्मेदार क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे थे। यहां की बदहाल व्यवस्था के बाद निगम प्रशासन ने खाना पूर्ति करना शुरू कर दिया। गुरुवार को यहां सफाई अभियान चलाया गया। हालांकि कि यहां के हालाज इतने बदतर है कि कभी कभी सफाई कराने से काम नहीं चलेगा। नियमित सफाई के साथ ही यहां नालियों से होकर गुजरने वाले पाइप लाइन को बदलना निगम की बड़ी चुनौती है। कैंप क्षेत्र से लगातार डायरिया के मरीज सामने आ रहे थे लेकिन निगम ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। बच्चे सहित दो की मौत के बाद निगम व जिला प्रशासन जागा। गुरुवार को सफाई के बाद अब शुक्रवार को पानी का सैंपल लिया गया। पानी का सैंपल लेना भी निगम की खानापूर्ति का हिस्सा ही है। स्थानीय निवासियों की मांग है कि यहां सफाई के साथ पानी सप्लाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाना चाहिए ताकि लोगों को साफपानी मिल सके। अन्यथा ऐसी स्थिति हर बार सामने आएगी।

डायरिया पर घिरा भिलाई निगम

श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष ने कहा- निगम दिवालिया है बताएं हम करेंगे फंड कलेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कैंप क्षेत्र में डायरिया से दो मौतों के बाद निगम प्रशासन की चौतरफा आलोचना हो रही है। कर्मचारियों का वेतन नहीं होने पर पहले से निगम की किरकिरी हो रही है उस पर डायरिया से हुई दो मौतों ने निगम प्रशासन कार्यशैली पर बड़ा धब्बा लगा दिया है। गुरुवार को श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष समिति के अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ सुपेला शास्त्री अस्पताल में डायरिया के मरीजों से मिलने पहुंचे। इस दौरान मरीजों का हालाचाल जाना और उसके बाद निगम प्रशासन पर जमकर बरसे।

मनीष पाण्डेय ने कहा कि निगम के जिम्मेदार इन विकास कार्यों के नाम पर शेड निर्माण, पेवर ब्लॉक व गार्डनों का रखरखाव कर रहे हैं। लोगों की मूलभूत सुविधाओं पर इनका ध्यान नहीं है।

डायरिया से लोग मर रहे हैं और सफाई व्यवस्था बदहाल है। मनीष पाण्डेय ने कहा कि निगम के पास अपने कर्मचारियों का वेतन देने के लिए पैसे नहीं है। कर्मचारी सड़क पर हैं। मनीष पाण्डेय ने अरोप लगाया कि निगम में पेमेंट केवल उन्हीं को मिल रहा है जो 17 त

कमीशन दे रहे हैं। मेहनत करने वाले कर्मचारियों के लिए वेतन के लाले हैं।

हम करेंगे फंड का इंतजाम

मनीष पाण्डेय ने यह भी कहा कि महापौर व निगम प्रशासन यह मान ले कि भिलाई नगर निगम दिवालिया हो गया है तो हम फंड का कलेक्शन करेंगे। श्रीराम जन्मोत्सव समिति फंड कलेक्ट कर लोगों की स्वास्थ्य सुविधाओं पर खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि लगातार नगर निगम की नाकामी का यह है कि लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा। सफाई नहीं हो रही और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही है। ऐसे निगम के जिम्मेदारों को पूरा प्रबंधन जनता के हवाले कर देना चाहिए।

एनवी सर देंगे करियर गाइंडेस, साथ ही मिलेंगे सवालों के जवाब

सफलता का विजयरथ 27 को भिलाई में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिक्षा की काशी कोटा भिलाई शहर में जेईई, नीट की तैयारी करवाने के लिए मोशन एजुकेशन के फाउंडर सीईओ नितिन विजय रविवार शाम 4 बजे से भिलाई के बीएसपी सीनियर सेकंडरी स्कूल ग्राउंड सेक्टर-2 में विद्यार्थियों को करियर व कामयाबी के गुर बताएंगे। प्रख्यात शिक्षक नितिन विजय माय एफएम 94.3 एवं मोशन की टीम सेमिनार में छात्र-छात्राओं से रु-ब-रू होंगे। इस कार्यक्रम के लिए सभी विद्यालयों के विद्यार्थी, टीचर्स व प्रिंसिपल्स को आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में मोशन एजुकेशन भिलाई के डायरेक्टर नितिन पण्ड्या ने प्रेस वार्ता के माध्यम से जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बच्चा खास होता है। हर बच्चे में कई खूबियाँ होती है तो कई भी शिक्षणसंस्था होने के नाते हमारे जिम्मेदारी है कि हम उनको पहचाने विद्यार्थियों की कमजोरियों को दूर करे और खासिय को

निखारने में मदद करें। यही विचार है मोशन एजुकेशन की मुहिम करियर की बात मोशन के साथ करियर की बात का। 13 अक्टूबर को माय एफएम 94.3 के साथ मिलकर भिलाई के सभी प्रमुख विद्यालयों में 12 वीं तक के बच्चों का साइकोमेट्रिक टेस्ट करियर काउंसलिंग की गई। इसके तहत छात्र- छात्राओं को करियर के प्रति जागरूक करते हुए सब्जेक्ट का चयन के टिप्स, आगे लक्ष्य तय करने और लक्ष्य की प्राप्ति के गुर बताए गए। मोशन एजुकेशन मिलाई सेंटर के डायरेक्टर नितिन पंड्या बताते हैं कि आज के विद्यार्थी ही कल का भविष्य है। उन्हें उचित शिक्षा सही करियर मार्गदर्शन करने से लेकर तमाम फील्ड और नवोदित कार्यक्षेत्र के बारे में अवगत कराता है। सिविक सेंटर स्थित रूभ्हद्भश्ठ इंस्टीटयूट के करियर गाइडेंस ने बच्चों से चर्चा की। बच्चे इससे वर्तमान हालात की चुनौतियों से पार पाकर खुद के साथ ही अपने परिवार को भी सक्षम बना सकेंगे। इससे भावी पीढ़ी खुद को गढ़ने के साथ ही प्रांत और राष्ट्र के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकेगी।

एक दर्जन विद्यालयों में दे चुके सक्सेस मंत्र

मोशन एजुकेशन की ओर से शकुंतला विद्यालय, शारदा विद्यालय, कृष्णा पब्लिक स्कूल, केपीएस उतई, केपीएस पुलगांव, डीएवी सेक्टर-2, हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल, केपीएस सुंदर नगर, भिलाई पब्लिक स्कूल, इंदु आइटी स्कूल, डीएवी हुडको, केएच मेमोरियल स्कूल, मैत्री विद्या निकेतन, एसएसवी हुडको आदि में करियर मंत्र दिया जा चुका है। मोशन इंस्टीट्यूट के पदाधिकारियों ने बताया कि भिलाई के बच्चे करियर के बारे में समय से ही अपनी लक्ष्मण रेखा खींच ने यही हमारा उद्देश्य है।

देखा जाता है कि विद्यार्थी मिडिल के बाद हाई स्कूल फिर ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन करते हैं लेकिन किस क्षेत्र में बढ़ना है, यह स्पष्ट नहीं रहता। इसलिए हमारा दायित्व बनता है कि टाइम से बच्चों का मार्गदर्शन कर दें। उन्हें उनकी इच्छा और काबिलियत के अनुसार नए उभरे क्षेत्र बारे में अवगत कराए। भविष्य गढ़ने के लिए इस्टीट्यूट्स और प्रॉपर तैयारियों के बारे में बताएंगे तो वह अपना लक्ष्य लेकर आगे पढ़ते जाएंगे। ऐसे बच्चे अपने जूनियर्स और भावी पीढ़ी का भी उचित मार्गदर्शन कर पाते है।

आप सभी जैन धर्म के कर्म सिद्धांतों का पालन कर संयम के साथ करें अपना जीवन यापन -आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दोपहर 3 बजे वैशाली के भगवान महावीर की नगरी से आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी का समवशरण मुनिराज के साथ आज नेहरू नगर श्री 1008 पाश्र्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अभूतपूर्व ऐतिहासिक स्वागत के साथ भक्तों के मंगलमय अभिवादन के साथ पहुंचा। आज आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी का वैशाली नगर दिगंबर जैन मंदिर से गदा चौक ,घड़ी चौक से होते हुए टोल प्लाजा के पास पैदल विहार करते हुए पहुंचा तो जैन ध्वज लेकर गाजे-बाजे के साथ और पंथी नाचा के नृत्य गान के साथ छत्तीसगढ़ी लोककला के कलाकारों के सहित आचार्य श्री का अभिवादन बहुत ही आकर्षक तरीके से आत्मीय अभिनंदन भक्तों ने टोल प्लाजा के पास किया, जहां इंद्र के रूप में भव्य रथ में घुड़सवार जैन ध्वजा लेकर आगे की ओर चल रहे थे और हल्के गुलाबी रंग का कुर्ता पजामा पीला जैकेट धारण कर युवा जैन ध्वजा लेकर बहुत ही सुंदर साज-सज्जा के साथ पीला साफा बांधकर पुरुष वर्ग गाजे-बाजे के साथ विशुद्ध सागर महाराज जी की जय कारा लगा रहे थे। मोहनलाल

बाकलीवाल ब्रिज के ऊपर से पुष्प की वर्षा पंखुडियों से गुरुदेव का मंगल प्रवेश कराते हुए और जगह-जगह उनके पाद प्रच्छालन करते हुए सैकड़ों भक्त आचार्य श्री को नमोस्तु करते हुए आरती उतारकर आर्टिफिशियल चमकीली पंखुडियों के साथ गाजे-बाजे सहित नृत्य गान करते हुए।

राज दरबार की तरह हाथों में छतरी लिए ढोल नगाड़ों के साथ अहिंसा परमो धर्म की जय कारा के साथ युवा बहुत ही उत्साहवर्धन के साथ धर्म की गंगा बहाते हुए स्वागत कर रहे थे। आज आचार्य श्री का स्वागत नेहरू नगर चौक पर सकल जैन समाज के साथ नेहरू नगर श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 ,वैशाली नगर ,रूआबांधा दिगंबर जैन मंदिर पारसनाथ धाम दुर्ग भिलाई रायपुर के सैकड़ों जैन बंधुओं ने आचार्य श्री के ऐतिहासिक अभिनंदन को यादगार बनाते हुए जैन धर्म की प्रभावना के साथ आचार्य श्री का नेहरू नगर जैन मंदिर में पाद प्रक्षालन महावीर पाटनी के नेतृत्व में डॉक्टर आरके जैन सचिन जैन रविंद्र सिंघई जितेंद्र जैन दीपचंद जैन नरेंद्र बाकलीवाल अशोक पहाडिया प्रदीप जैन बाकलीवाल प्रशांत जैन आनंद जैन सिद्धार्थ जैन ऋषभ जैन भारत जैन डॉ मनीष बाकलीवाल राजीव जैनको सजल काला विजय जैन इंदर चंद जैन मुकेश बाकलीवाल भागचंद जैन, मनीत जैन ,अरविंद जैन, डॉक्टर जिनेंद्र जैन कजोड़ मल जैन नागेंद्र जैन सतीश जैन राजेश जैन संजीव जैन सजल काला आरके जैन आदि सैकड़ों महिलाओं ने बहुत ही आकर्षक पीले सुनहरे रंग की साडियों धारण किए हुए थे और केसरिया साफा बांधकर अपने शीश पर मंगल कलश धारण कर आचार्य श्री का भव्य अभिवादन किया नेहरू नगर चौक एवं जैनम बुक डिपो के पास , नेहरू नगर के जैन मंदिर के पास बहुत ही आकर्षक रैंप जिसमें रंगोली सजा हुआ था अभिवादन करते हुए आचार्य श्री का कमल के आर्टिफिशियल नक्काशीधार कमल के फूल में आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन नेहरू नगर जैन समाज के सभी सदस्यों ने करते आचार्य श्री का नमन किया जहां आचार्य श्री जी ने मान स्तंभ एवं मंदिर के 24 भगवान का सत्संग दर्शन करते हुए श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के मंगल दर्शन किए आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने नेहरू नगर के नए हॉल में ने अपने आशीष वचन में सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि रायपुर पारसनाथ धाम त्रिवेणी जैन तीर्थ रिसाली मल्लिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पारसनाथ धाम वैशाली नगर मैं जिस तरह से आपने जैन धर्म के कर्म सिद्धांत को अपनाते हुए इतने एकता के साथ धर्म का महासंगम भिलाई में देखने को मिला आने वाले दुर्ग शिवनाथ नदी के पास स्थित नसिया जी के लिए जहां दिगंबर जैन तीर्थ का पंचकल्याणक होने जा रहा है उसका मंगलाचरण की शुरुआत है।

आप लोग इसी तरह आपसी प्रेम और संयम के साथ इसी तरह मां जिनवाणी को ग्रहण करते हुए धर्म कार्यों के साथ अपना जीवन यापन इसी एकता प्रेम और वात्सल्य के साथ जीवन यापन करें।

एनएमडीसी सीनियर महिला हैंडबाल टीम 51वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता में भाग लेने नान्दयाल के लिये रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आंध्रप्रदेश हैंडबाल संघ द्वारा भारतीय हैंडबाल महासंघ के तत्वावधान में 51वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन एस.डी.आर. स्कूल, नान्दयाल (आंध्रप्रदेश) में 26 नवम्बर से 30 नवम्बर 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य की एन.एम.डी. सी. सीनियर महिला वर्ग की 17 सदस्यीय टीम भाग ले रही है।

उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के पूर्व खिलाडियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य की एन.एम.डी.सी. सीनियर महिला हैंडबाल टीम का 07 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हैंडबाल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-4, भिलाई में 18 नवम्बर से 24 नवम्बर तक आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के

प्रशिक्षक विजय बहादुर एवं राजेश सरकार द्वारा प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से 8:30 बजे तक तथा शाम को 4:30 बजे से 6:30 बजे तक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उपरोक्त प्रशिक्षण शिविर का समापन आज प्रात: 09:30 बजे छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के महासचिव समीर खान द्वारा किया गया। उपरोक्त चैम्पियनशिप में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करने हेतु छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के चेयरमेन विनोद चंद्राकर, अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सिंघानिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिमन्यु मिश्रा, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसियेशन के उपाध्यक्ष तथा भारतीय फेंसिंग महासंघ के कोषाध्यक्ष श्री बशीर अहमद खान सहित छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के पदाधिकारियों एवं विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर महिला हैंडबाल के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को आर्शीवाद देते हुये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950